केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 176 मंगलवार 16 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

खैर कॉलेज के प्रवेश द्वार का शिलान्यास 27 को

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। खैर कॉलेज के शैक्षिक उन्नयन एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध ओल्ड वॉयज एसोशियेशन की प्रेरणा से कॉलेज की स्थापना के 77 वर्ष पूरे होने पर कॉलेज के गौरव और भव्यता के प्रतीक भव्य प्रवेश द्वार का 27 को बस्ती मंडल के आयुक्त अखिलेश सिंह शिलान्यास करेंगे। इसके एक दिन पूर्व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर हिस्सा लेते हुए खैर कॉलेज के शैक्षिक उन्नयन एवं विकास के रोड मैप पर संवाद करेंगे पूर्व छात्र। इसके लिए सभी पूर्व छात्रों से सघन संपर्क किया जा रहा है।

यह जानकारी खैर कॉलेज ओल्ड बॉयज एसोशियेशन के सह संयोजक ऋषि तिवारी एवं महासचिव अकबर अली के माध्यम से दी गई है।

एसोशियेशन की तरफ से बताया गया कि एसोशियेशन ने आगामी सत्र से कॉलेज में गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रवेश में स्टैण्डर्ड मानक के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया का पालन कर शुरुआत करने का बीड़ा उठाया है ताकि खैर कॉलेज की पुरातन ख्याति बरकरार रहे।

इस हेतु कॉलेज प्रबंधक हमीदुल्लाह खान एवं कॉलेज प्रशासन भी तत्परता से कार्य कर रहा है। एसोशियेशन के माध्यम से पूर्व छात्र सहयोग कर कॉलेज के लैब, लाइब्रेरी को हाई टेक करते हुए क्लास रूम को भी उन्नत कर रहे एसोशियेशन का प्रयास है कॉलेज से निकले हुए गौरव बढ़ाने वाले छात्रों को समय समय पर लाकर वर्तमान छात्रों को प्रेरित कराया जायेगा।

मत्स्य सम्पदा योजना में आवेदन आमंत्रित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । मत्स्य विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित है। उक्त जानकारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य संदीप कुमार वर्मा ने दी है। उन्होने बताया कि आवेदन करने की तिथि आगामी 19 जनवरी तक निर्धारित है। उन्होने बताया कि रियरिंग यूनिट पर तालाब निर्माण (अनुसूचित जाति), निजी भूमि पर तालाब निर्माण (अनुसूचित जाति) तथा बृहद आर०ए०एस० निर्माण (सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग) हेतु पात्र अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है।

उन्होने यह भी बताया है कि ऑनलाइन आवेदन विभागीय पोर्टल http//fisheries.up.gov.पद पर करना अनिवार्य है। योजना की विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय मत्स्य पालक विकास अभिकरण, विकास भवन तृतीय तल पर किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते है।

डीएम ने किया वृद्ध जनों में कम्बल वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । भीषण ठंड को देखते हुए बनकटा स्थित समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत किसान सेवा संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने 76 वृद्ध लोगों को कंबल का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने वृद्धाश्रम का निरीक्षण भी किया। उन्होंने निर्देश दिया है कि वृद्ध व्यक्तियों की स्थिति को देखते हुए चादर, तकिया एवं कंबल आदि नियमित रूप से बदलते रहे। साफ–सफाई का ध्यान रखें तथा यहां पर सफाई कर्मी की संख्या बढ़ाए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही उनके द्वारा वृद्धावस्था आश्रम का निरीक्षण किया जाएगा, तब तक यहां की व्यवस्था में सुधार किया जाए। इस दौरान तहसीलदार विनय प्रभाकर, नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, लेखपालगण तथा आश्रम के प्रबंधक एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

अयोध्या में राम मंदिर के बाहर कांग्रेस नेताओं से झड़प

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में रामलला का दर्शन करने पहुंचे कांग्रेस नेताओं के साथ राममंदिर के बाहर ही कुछ लोगों की झड़प हो गई। नेताओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। कांग्रेस का झंडा छीनकर फाड़ दिया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध किया तो उन्हें दौड़ा लिया गया। इस दौरान कुछ दूर मौजूद पुलिस पहले मूकदर्शक बनी रही फिर बात बढ़ने पर झंडा छीन रहे लोगों को रोकने की कोशिश की गई। घटना ऐसे समय हुई है जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ पार्टी नेताओं का दल अयोध्या में रामलला का दर्शन करने पहुंचे थे। इस बीच हुई घटना से कांग्रेसियों में जबरदस्त रोष फैल गया है। इस दौरान मौके पर मौजूद अयोध्या की महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेनु राय ने कहा कि हमारे लोग यहां रामलला का दर्शन करने आए थे। कुछ अराजकतत्वों ने हमारी पार्टी का झंडा छीना और उनके साथ गालीगलौज शुरू कर दिया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मारपीट की कोशिश की गई। जय श्रीराम का नारा लगाकार दुर्व्यवहार किया गया। रेनू राय ने कहा कि यह मंदिर किसी एक पार्टी का नहीं है। यह मंदिर सभी लोगों का है। घटना के बाद कांग्रेस नेताओं का जमावड़ा मौके पर शुरू हो गया। कांग्रेस की ओर से हंगामा और नारेबाजी शुरू हो गई ।कांग्रेस के खिलाफ भी कुछ लोगों ने एकजुट होकर नारेबाजी शुरू कर दी। बाद मामला शांत हुआ।

बहुत याद आएंगे मुनव्वर राना

संवाददाता–लखनऊ। उर्दू जुबान के मशहूर शायर मुन्नवर राणा का 14 जनवरी को रात करीब 11 बजे इंतकाल हो गया। वह पिछले काफी दिनों से बीमार भी चल रहे थे। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें दिल का दौरा पड़ा ।अब उन्हें लखनऊ के ऐशबाग स्थित कब्रिस्तान में ही सुपुर्द ए खाक किया गया। जहां लोगों ने उनके जनाजे को कंधा दिया और उनकी कब्र को मिट्टी देखकर उनके मगफिरत की दुआ भी की। मुनव्वर राना का 71 वर्ष की आयु में रविवार रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। काफी समय से बीमार चल रहे राना यहां संजय गांधी पीजीआई में भर्ती थे। सोमवार को उन्हें लखनऊ के ऐशबाग कब्रिस्तान में सिपुर्द–ए–खाक किया जाएगा। मुनव्वर राना उर्दू साहित्य के बड़े नाम थे। 26 नवंबर 1952 को रायबरेली में जन्मे राना को 2014 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया था। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी मुनव्वर राना के आवास पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

मकर संक्रान्ति पर डा. वी.के. वर्मा ने किया जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। वरिष्ठ होम्योचिकित्सक एवं समाजसेवी डा. वी.के. द्वारा पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल गोटवा के सहयोग से निराश्रित, जरूरतमंद लोगों में ठंड से बचाव के लिये कम्बल का वितरण लगातार जारी है। सोमवार को मकर संक्रान्ति पर्व पर डा. वर्मा ने जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया। बताया कि अब तक 500 से अधिक जरूरतमंदों में वे कम्बल वितरित कर चुके हैं और यह सिलसिला ठंड के मौसम तक जारी रहेगा।

डा. वर्मा ने बताया कि वे पिछले 21 वर्षो से निरन्तर कम्बल वितरण की भूमिका निभा रहे हैं।

बताया कि वे अपने कार में कम्बल रखते हैं और रास्ते में कोई पात्र व्यक्ति दिखा तो रोककर उसे कम्बल ओढाकर आगे बढ जाते हैं। डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि यदि समाज के समृद्ध वर्ग के लोग थोड़ी पहल करें तो कोई परिवार ठंड से ठिठुरने को विवश नहीं होगा। सच्चे अर्थो में यह मानव की सेवा है। कहा कि वे पेशे से चिकित्सक हैं और पीड़ितों के चेहरों पर मुस्कान लाना उनके जीवन का उद्देश्य है। उन्होने कहा कि ठंड बढ गई है और लोगों को इससे बचना चाहिये।

नेचुरोपैथी में जटिल रोगों का सहज उपचार संभव –डा. दीनानाथ पटेल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मकर संक्रान्ति के अवसर पर सोमवार को रामकृपा योग पीठ जिवधरपुर हर्रैया में योग, आयुर्वेद, पंचकर्म एवं नेचुरोपैथी केन्द्र का उद्घाटन आयुर्वेदाचार्य डा. प्रदीप कुमार पाल ने किया। कहा कि आज की भागती दौड़ती जिन्दगी में आहार बिहार खराब होने के कारण अनेक रोग जन्म ले रहे हैं। नेचुरोपैथी में इसका जड़ से निदान संभव है।

संस्थापक एवं प्रबन्ध निदेशक डा. दीनानाथ पटेल ने कहा कि रामकृपा योग पीठ जिवधरपुर हर्रैया में चिकित्सा से जुडे अनेक प्रकल्प चलाये जा रहे हैं। योग आयुर्वेद, पंचकर्म एवं नेचुरोपैथी की व्यवस्था हो जाने से जटिल रोगों का सहज उपचार संभव हो सकेगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से संदीप चौधरी, शिवराम वर्मा, राजेन्द्र वर्मा, डा. प्रभाकर मिश्र, डा. सी.एम. पटेल, राम मिलन, रामभवन के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

सामाजिक संगठन ने किया अलाव जलाने की पहल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । कड़ाके की ठंड में लोगों को राहत देने के लिये सामाजिक संगठन भी आगे आ रहे हैं। भदावल वेलफेयर सोसायटी द्वारा संयोजक गौहर अली के नेतृत्व में शहर के महिला चिकित्सालय, जिला अस्पताल, दक्षिण दरवाजा चौराहा, रेलवे स्टेशन पर अलाव की व्यवस्था की गई है। पं. सुनील कुमार भट्ट, राहुल कुमार, अखिलेश राज, आशुतोष राय आदि योगदान दे रहे हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि निजी प्रयास से जितना संभव हो पा रहा है अलाव की व्यवस्था प्रमुख स्थानों पर की गई है जिससे कडाके की ठंड, गलन और घने कुहरे में लोगों को कुछ राहत मिल सके। जितना संभव होगा प्रयास जारी रहेगा। पं. सुनील कुमार भट्ट ने कहा कि पर्यावरण रक्षा के साथ ही संकट के समय नागरिकों का यथा संभव सहयोग किया जाता है।

बसपा ने संकल्पों के साथ मनाया सुश्री मायावती का 68 वां जन्म दिन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती का 68 वां जन्म दिन ब्लाक रोड स्थित एक होटल के सभागार में सोमवार को जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया गया। मुख्य अतिथि मण्डल प्रभारी कल्पनाथ बाबू ने कहा कि सुश्री मायावती ने दलित, वंचित समाज को अधिकार हासिल करने का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी अपने बूते चुनाव मैंदान में उतरकर कार्यकर्ताओं और जनता की ताकत से मजबूत सरकार बनायेगी। उन्होने बसपा सरकार द्वारा कराये गये जन कल्याणकारी कार्यो की विस्तार से जानकारी दी।

–लोकसभा चुनाव में अपने बूते उतरेगी बसपा–कल्पनाथ बाबू

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये मण्डल प्रभारी सीताराम शास्त्री ने आवाहन किया कि पदाधिकारी और कार्यकर्ता सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन के लिये एक जुट हो जाय। पार्टी लोकसभा के चुनाव में एकजुटता से निर्णायक जीत दर्ज करेगी। कहा कि इसके लिये अभी से बूथ स्तर की तैयारियां तेज करने की जरूरत है। सुश्री मायावती के 68 वें जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओम प्रकाश गौतम, संजय धूसिया, नायब चौधरी, शिवशंकर चौधरी, रामदास, राना अम्बेडकर, बनवारी लाल कन्नौजिया, रामकरन गौतम, रामचेत निराला, के.पी. राठौर आदि ने कहा कि सुश्री मायावती का यह जन्म दिन गरीबों, मजलूमों सताये गये लोगों के लिये संकल्प का दिन है। बसपा सर्व समाज के सहयोग से विजय हासिल करेगी। बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम ने कार्यक्रम का संचालन करते हुये बसपा के लक्ष्य और कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर रमेश चौधरी समर्थकों के साथ बसपा में शामिल हुये।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रेमसागर, यशवन्त निगम, अतर सिंह गौतम, नायब चौधरी, जे. पी. गौतम, रामकरन गौतम, भवानीभीख, रामफेर गौतम, के.सी. मौर्य, देशराज गौतम, रामबचन भारती, डा. आलोक रंजन, कृपाशंकर गौतम, लाल बहादुर, दिवाकर कपूर, दीपलाल, प्रदीप गौतम, महेश प्रधान, रामलला गौड, पृथ्वीराज चौहान, भवानीभीख, रामसागर, रामफेर गौतम, शैलेन्द्र गौतम, नायब चौधरी, यशवन्त निगम, प्रमोद कुमार, आर.डी. प्रेमी, अजय पाण्डेय, साधना गौतम, छटंकी प्रसाद, रामनेवास, विनोद चौधरी, झगरू सिंह, डा. दिवाकर, पवन कुमार गौतम, अब्दुल मलिक चांदनी, सबिता, सुमन, पूनम, अमृता देवी, इशरावती, सी.पी. चौधरी, शिवराम कन्नौजिया, मालती राव, अरशद खान, सूर्यमुखी, इन्द्रावती, संजीव कुमार, राजीव राव, शिवकुमार, सुभावती के साथ ही बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी आदि शामिल रहे।

बसपा अकेले लड़ेगी लोकसभा –मायावती

संवाददाता–लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोमवार को अपने जन्मदिन के मौके पर साफकर दिया कि बसपा 'एकला चलो' की राह पर ही कायम रहेगी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनाव–2024 बसपा अकेले ही लड़ेगी। मायावती ने कहा कि गठबंधन करके चुनाव लड़ने से बसपा की बजाए दूसरे दल को ही ज्यादा फायदा होता है। बसपा को नुकसान ही उठाना पड़ता है। इस वजह से अब बसपा किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। चुनाव अकेले ही लड़ेगी। हालांकि चुनाव के बाद की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार बनाने में मदद कर सकती है। मायावती ने साफ किया कि बसपा अब किसी को बाहर से समर्थन देने की बजाए सरकार में शामिल होगी ताकि बहुजन समाज के लोगों की समस्याओं का समाधान करा सके। बसपा सुप्रीमो ने पिछले चुनावों में बसपा की हाल के लिए ईवीएम को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इसके जरिए हो रही धांधली की वजह से ही पार्टी की हार हुई।

मायावती ने कहा कि हार के बावजूद बसपा हर चुनाव बड़ी मेहनत और पूरी ऊर्जा लगाकर लड़ती है क्योंकि हमें लगता है कि जानें कब ईवीएम की धांधली फेल हो जाए। यदि ईवीएम की धांधली फेल हो गई तो फिर बसपा निश्चित तौर पर चुनाव में कामयाब होगी। मायावती ने कहा कि ईवीएम को लेकर अब बहुत सवाल उठने लगे हैं। ईवीएम का सिस्टम कभी भी बंद हो सकता है या फिर हो सकता है इसमें कुछ बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि बसपा का जनाधार बढाते रहना बहुत जरूरी है। मायावती ने कहा कि बसपा ने 2002 में यूपी विधानसभा का चुनाव अकेले ही लड़ा था। उसमें पार्टी 67 से बढ़कर 100 सीटों पर पहुंच गई थी। इसमें दो विधायक समय से सिंबल न मिलने के चलते निर्दलीय जीतकर आए थे।

2007 में यूपी में विधानसभा के आम चुनाव में बसपा ने फिर अकेले चुनाव लड़कर यहां पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। जबकि उस समय भी चुनाव ईवीएम से हुआ था लेकिन शुरू में कोई धांधली और बेईमानी नहीं हो पाई थी। इसके साथ ही लोकसभा और प्रदेश के अन्य राज्यों में भी अकेले चुनाव लड़कर बसपा का वोट प्रतिशत काफी अच्छा रहा लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अब हर चुनाव में ईवीएम में काफी धांधली और बेईमानी हो रही है। यह आम धारणा है। उन्होंने कहा कि इस धांधली की वजह से हमारी पार्टी को भी यूपी और देश में काफी नुकसान हो रहा है।

मण्डलायुक्त ने किया मतदाता पंजीकरण केन्द्र का निरीक्षण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । मण्डलायुक्त/रोल प्रेक्षक, मतदाता संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान अखिलेश सिंह ने सदर तहसील में विधानसभा सदर तथा महादेवा के मतदाता पंजीकरण केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होने नये मतदाता बनाने, मृतक एवं शिफ्टेड मतदाताओं के फार्म का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 द्वारा मतदाता सूची के अन्तिम प्रकाशन की तिथि 22 जनवरी कर दिया गया है। पूर्व में यह सूची 5 जनवरी को प्रकाशित की जानी थी।

मण्डलायुक्त ने महादेवा विधानसभा क्षेत्र के मृतक सुशीला देवी का नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए भरे गये फार्म का निरीक्षण किया। फार्म में दिये गये उनके संबंधी के मोबाइल नम्बर पर तत्काल फोन मिलाकर भरे गये फार्म के बारे में जानकारी प्राप्त किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने बताया कि सुशीला देवी उनकी दादी थी, जिनकी मृत्यु हो गयी है और उनका नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए फार्म उनके द्वारा भरा गया है, जिसे बीएलओ द्वारा अग्रसारित किया गया है।

मण्डलायुक्त ने निर्देश दिया कि 17 जनवरी बुद्धवार तक मतदाता सूची का डाटाबेस अपडेट किया जाना है तथा अन्तिम रूप से प्रकाशन के लिए आयोग से अनुमति लेकर 22 जनवरी तक प्रकाशित किया जाना है। आयोग द्वारा सही एवं शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। इस समय का उपयोग करते हुए शुद्ध मतदाता सूची तैयार की जाय। इस दौरान सभी फार्म 6, 7 एवं 8 का सत्यापन करके ही मतदाता सूची अपडेट की जाय। निरीक्षण के दौरान उन्होने ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र देखा तथा वहॉ पर ईवीएम मशीन पर मतदान करके एवं वीवीपैट मशीन में पर्ची देखकर मशीन की गुणवत्ता जॉचा। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र तथा शत्रुघ्न पाठक उपस्थित रहें।

लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति करें, शिथिलता क्षम्य नहीं–डीएम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सीएम–डैशबोर्ड के विकास प्राथमिकता एवं राजस्व विभाग की प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने–अपने विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होंगी। बैठक में विभागीय कार्यो में शिथिलता पाये जाने पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी, प्रधानाचार्य आई.टी.आई., मण्डी सचिव का वेतन बाधित किया है तथा पशुचिकित्साधिकारी को छुट्टा पशुओं को पकड़वाने में शिथिलता पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त किया है।

जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, मुख्यमंत्री विवाह योजना, दैनिक विद्युत आपूर्ति, क्रेडिट लिकेज, स्वच्छ भारत मिशन, सेतु निर्माण, पशुओ के कृत्रिम गर्भाधान, सहकारिता विभाग, स्टेट स्किल डबलपमेन्ट शिक्षा, अण्डा उत्पादन, आबकारी, गन्ना मूल्य भुगतान, धारा 34, अवस्थापना औद्योगिक विकास की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को अपेक्षित प्रगति बनाये रखने के निर्देश दिया है। उन्होने स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन से संबंधित मुकदमों को समयान्तर्गत निस्तारित करने का निर्देश संबंधित को दिया है।

उन्होने पीओ डूडा को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में किश्त प्राप्त करने के उपरान्त लाभार्थी द्वारा कार्य अनारम्भ होने पर उन्हें नोटिस जारी कर किश्त की वसूली की जाय। ग्रामीण अभियंत्रण विकास, अवस्थापना औद्योगिक विकास, सरकारी कर–करेत्तर राजस्व के मामले में डीओ लेटर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बैठक का संचालन डीएसटीओ ईशा शर्मा ने किया। इसमें सीआरओ ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, पीडी राजेश झा, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी केशवलाल, उप निदेशक कृषि, अशोक कुमार गौतम, आबकारी अधिकारी राजेश मिश्रा, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, डीपीआरओ रतन कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

एसबीआई साऊंघाट प्रबंधक पर मनमानी का आरोप

–पीड़ित प्रबोध ने उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

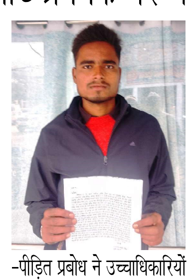

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । बहादुरपुर विकास खण्ड क्षेत्र के बनकटवा निवासी अरविन्द प्रबोध मिश्रा ने भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक साऊंघाट के साथ ही विभागीय उच्चाधिकारियों को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर अपना खाता संख्या नाम परिवर्तित कर शुरू कराये जाने का आग्रह किया है।

भेजे पत्र में अरविन्द प्रबोध मिश्रा ने कहा है कि उनका एक खाता संख्या भारतीय स्टेट बैंक साऊंघाट में उदित कुमार मिश्रा के नाम से चल रहा था। उन्होने अपना नाम परिवर्तित कर अरविन्द प्रबोध मिश्रा कर लिया और शाखा प्रबंधक रागिनी पाण्डेय से नाम परिवर्तित कर खाता शुरू कराने का आग्रह किया। इस पर रागिनी पाण्डेय ने कुछ प्रपत्र मांगे जिन्हें उपलब्ध करा दिया गया किन्तु शाखा प्रबंधक रागिनी पाण्डेय ने आक्रोश में आकर अरविन्द प्रबोध मिश्रा को गार्ड से खिचवाकर बैंक से बाहर कर दिया और पुरानी बस्ती थाने में उनके विरूद्ध मनगढन्त तहरीर दे दिया।

अरविन्द प्रबोध मिश्रा के अनुसार इस प्रकरण में जब वे हड़िया चौकी के दारोगा और अधिवक्ता के साथ भारतीय स्टेट बैंक साऊंघाट पहुंचे इस पर भी शाखा प्रबंधक रागिनी पाण्डेय न जाने क्यों बुरी तरह भड़क गईं और कहा कि साक्ष्य अपर्याप्त है। अरविन्द प्रबोध मिश्रा ने शाखा प्रबंधक रागिनी पाण्डेय को रजिस्टर्ड समस्त साक्ष्य भेजा है और आग्रह किया है कि उनका नाम परिवर्तन कर दिया जाय। उन्हें आशंका है कि शाखा प्रबंधक रागिनी पाण्डेय उनके विरूद्ध किसी भी प्रकार का षड़यंत्र कर सकती है। अरविन्द प्रबोध मिश्रा ने अपना खाता नाम परिवर्तित कर शुरू कराने और शाखा प्रबंधक के विरूद्ध नियमानुसार विभागीय कार्यवाही करने का आग्रह किया है। इस सम्बन्ध में शाखा प्रबंधक का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 जनवरी 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

प्राण प्रतिष्ठा और शंकराचार्य

आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जो विवाद पैदा हुए हैं उसमें सबसे महत्वपूर्ण है शंकराचार्यों का वह बयान जिसमें उन्होंने इस समारोह का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। उनका विरोध इस बात को लेकर है कि इस प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में वैदिक नियमों की अवहेलना की जा रही है। गोवर्धन पीठ (पुरी, उड़ीसा) के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद जी का कहना है कि, ''मंदिर नहीं, शिखर नहीं, शिखर में कलश नहीं–कुंभाभिषेक के बिना मूर्ति प्रतिष्ठा?'' प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रभु श्री राम के शीर्ष के ऊपर चढ़ कर जब राज मजदूर शिखर और कलश का निर्माण करेंगे तो इससे भगवान के विग्रह का निरादर होगा। बाकी शंकराचार्यों ने भी वैदिक नियमों से ही प्राण प्रतिष्ठा की मांग की है और ऐसे ही कई कारणों से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने भी इस समारोह की आलोचना की है। इस विवाद के दो पहलू हैं जिन पर यहां चर्चा करेंगे।

पहला पक्ष यह है कि ये चारों शंकराचार्य निर्विवाद रूप से सनातन धर्म के सर्वोच्च अधिकृत मार्ग निर्देशक हैं। सदियों से पूरे देश का सनातन धर्मी समाज इनकी आज्ञा को सर्वोपरि मानता आया है। किसी धार्मिक विषय पर अगर संप्रदायों के बीच मतभेद हो जाए तो उसका निपटारा भी यही शंकराचार्य करते आए हैं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह संन्यास की किस परंपरा से आते हैं।

आदि शंकराचार्य ने ही इस भेद को समाप्त कर दिया था। जब उन्होंने, 'अहम् ब्रह्मास्मि' का तत्व ज्ञान देने के बावजूद 'विष्णु षट्पदी स्तोत्र' की रचना की और 'भज गोविन्दम' गाया। इसलिए पुरी शंकराचार्य जी का यह आरोप गंभीर है कि 22 जनवरी को होने वाला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सनातन हिंदू धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है। इसलिए हिंदुओं का वह वर्ग जो सनातन धर्म के सिद्धांतों में आस्था रखता है, पुरी शंकराचार्य से सहमत है। शंकराचार्य जी ने इस तरह किए जा रहे प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम के भयंकर दुष्परिणाम सामने आने की चेतावनी भी दी है।

उधर दूसरा पक्ष अपने तर्क लेकर खड़ा है। इस पक्ष का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक प्रबल इच्छा शक्ति का प्रदर्शन करते हुए और सभी संवैधानिक व्यवस्थाओं को अपने लक्ष्य–प्राप्ति के लिए साधते हुए, इस भव्य मंदिर का निर्माण करवाया है और इस तरह भाजपा समर्थक हिंदू समाज को एक चिरप्रतीक्षित उपहार दिया है। इसलिए उनके प्रयासों में त्रुटि नहीं निकालनी चाहिए। इस पक्ष का यह भी कहना है कि पिछली 2 सहस्राब्दियों में भारत में जैन धर्म, बौद्ध धर्म, सनातन धर्म, सिख धर्म या इस्लाम तभी व्यापक रूप से फैल सके जब उन्हें राजाश्रय प्राप्त हुआ। जैसे सम्राट अशोक मौर्य ने बौद्ध धर्म फैलाया, सम्राट चन्द्रगुप्त ने जैन धर्म को अपनाया और फिर इसके विस्तार में सहयोग किया।

कुषाण राजा ने पहले सनातन धर्म अपनाया, फिर बौद्ध धर्म का प्रचार किया। इसी तरह मुसलमान शासकों ने इस्लाम को संरक्षण दिया और अंग्रेजी हुकमरानों ने ईसाईयत को। इसी क्रम में आज नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा राजसत्ता का उपयोग करके हिंदुत्व की विचारधारा को स्थापित कर रही है। इसलिए हिंदुओं का एक महत्वपूर्ण भाग इनके साथ कमर कस के खड़ा है। पर इसके साथ ही देश में यह विवाद भी चल रहा है कि हिंदुत्व की इस विचारधारा में सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों की उपेक्षा हो रही है।

जिसका उल्लेख हिंदू धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज ने साठ के दशक में लिखी अपनी पुस्तक 'आर.एस.एस. और हिंदू धर्म' में शास्त्रों के प्रमाण के आधार पर बहुत स्पष्टता से किया था। जिस तरह के वक्तव्य पिछले 2 दशकों में आर.एस.एस. के सरसंघचालक और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने दिए हैं उससे स्पष्ट है कि हिंदुत्व की उनकी अपनी परिकल्पना है, जिसके केंद्र में है हिंदू राष्ट्रवाद। इसलिए वे अपने हर कृत्य को सही ठहराने का प्रयास करते हैं। चाहे वो वैदिक सनातन धर्म की मान्यताओं और आस्थाओं के विपरीत ही क्यों न हो। आर.एस.एस. और सनातन धर्म के बीच यह वैचारिक संघर्ष कई दशकों से चला आ रहा है।

अयोध्या का वर्तमान विवाद भी इसी मतभेद के कारण उपजा है। फिर भी हिंदुओं का यह वर्ग इसलिए भी उत्साहित है कि प्रधानमंत्री मोदी ने हिंदुत्व के जिन लक्ष्यों को लेकर गांधीनगर से दिल्ली तक की दूरी तय की थी, उन्हें वे एक–एक करके पाने में सफल हो रहे हैं। इसलिए हिंदुओं का यह वर्ग मोदी जी को अपना हीरो मानता है। इस अति उत्साह का एक कारण यह भी है कि पूर्ववर्ती प्रधान मंत्रियों ने धर्म के मामले में सहअस्तित्व को केंद्र में रख कर संतुलित नीति अपनाई।

इस सूची में भाजपा के नेता अटल बिहारी वाजपेयी भी शामिल हैं। जिन्होंने 'राज धर्म' की बात कही थी। पर मोदी जी दूसरी मिट्टी के बने हैं। वह जो ठान लेते हैं, वो कर गुजरते हैं। फिर वे नियमों और आलोचनाओं की परवाह नहीं करते। इसीलिए जहां नोटबंदी, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर वे अपना घोषित लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाए, वहीं दूसरे कुछ मोर्चों पर उन्होंने अपनी सफलता के झंडे भी गाड़े हैं। ऐसे में प्राण–प्रतिष्ठा समारोह को अपनी तरह आयोजित करने में उन्हें कोई हिचक नहीं है। क्योंकि ये उनके राजनीतिक लक्ष्य की प्राप्ति का एक माध्यम है।

देश की आध्यात्मिक चेतना को विकसित करना उनके इस कार्यक्रम का उद्देश्य नहीं है। रही बात परम आदरणीय शंकराचार्यों के सैद्धांतिक मतभेद की तो बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि ड्क्षहदू समाज ने इन सर्वोच्च धर्म गुरुओं से वैदिक आचरण सीखने का कोई प्रयास नहीं किया। उधर पिछले 100 वर्षों में शंकराचार्यों की ओर से भी वृहद हिन्दू समाज को जोडने का कोई प्रयास नहीं किया गया। कारण सनातन धर्म के शिखर पुरुष होने के नाते शंकराचार्यों की अपनी मर्यादा होती है, जिसका वे अतिक्रमण नहीं कर सकते थे।

इसका एक कारण यह भी है कि बहुसंख्यक हिंदू समाज की न तो आध यात्मिक गहराई में रुचि है और न ही उनकी क्षमता। उनके लिए आस्था का कारण अध्यात्म से ज्यादा धार्मिक मनोरंजन व भावनात्मक सुरक्षा पाने का माध्यम है। पर अगर राजसत्ता वास्तव में सनातन धर्म की स्थापना करना चाहती तो वह शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती। पर ऐसा नहीं है। हिंदुत्व की विचारधारा भारत के हजारों वर्षों से चले आ रहे सनातन धर्म के मूल्यों की स्थापना के लिए समर्पित नहीं है।यह एक राजनीतिक विचारधारा है जिसके अपने नियम हैं और अपने लक्ष्य हैं। श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आन्दोलन को खड़ा करने के लिए आर.एस.एस., विहिप व भाजपा ने हर संत और सम्प्रदाय का द्वार खटखटाया था। सभी संतों और सम्प्रदायों ने सक्रिय होकर इस आन्दोलन को विश्वसनीयता प्रदान की थी। यह दुर्भाग्य है कि आज शंकराचार्यों जैसे अनेक सम्मानित संत और विहिप, आर.एस.एस. व भाजपा आमने सामने खड़े हो गए हैं।

पुलिस की कार्य प्रणाली में बदलाव समय की मांग

—आशीष वशिष्ठ—

पुलिस की भक्षक छवि आजादी के अमृतकाल की सबसे बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है, पुलिस की रक्षक छवि कैसे स्थापित हो, वे खलनायक नहीं, नायक बने, आज के इस सबसे बड़े राष्ट्रीय प्रश्न पर जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुलिस के बड़े अधिकारियों के बीच नसीहत देने की जरूरत पड़ी। मोदी ने देश भर के पुलिस मुखियाओं को सीख दी कि पुलिस जनता को बताए कि उसकी शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई। मतलब साफ है कि अभी शायद पुलिस इस काम को पूरी तरह से अंजाम नहीं दे पा रही है। बड़ा सवाल है कि आजाद होने के बाद जब हम एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र बनाने चले, तब हमने अपनी सबसे महत्वपूर्ण संस्था पुलिस में आमूल–चूल परिवर्तन की बात क्यों नहीं सोची? भारतीय पुलिस आज हमें जिस स्वरूप में दिखती है, उसकी नींव 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की समाप्ति के बाद पड़ी थी और इसके पीछे तत्कालीन शासकों की एकमात्र मंशा औपनिवेशिक शासन को दीर्घजीवी बनाना था और उसमें वे काफी हद तक सफल भी हुए। 1860 के दशक में बने पुलिस ऐक्ट, आईपीसी, सीआरपीसी या एविडेंस एक्ट जैसे कानूनों के खंभों पर टिका यह तंत्र ना तो कभी जनता का मित्र बन सका, ना ही जनता के रक्षक की भूमिका को निष्पक्षता से निभा सका और ना ही उसकी ऐसी कोई मंशा थी। आजादी के बावजूद आज भी हम विदेशी दासता का दंश ही झेल रहे हैं और उसमें सबसे बड़ी भूमिका पुलिस की ही है। आजाद भारत की बड़ी असफलता है कि पुलिस कानून–कायदों की धज्जियां उड़ाने वाला, भ्रष्ट और जनता के शत्रु संगठन के रूप में ही काम कर रहा है, तभी आम जनता पुलिस नाम से ही थर–थर कांपती है। जरूरत है वर्तमान थानों को अब जन–रक्षक केन्द्र के रूप में विकसित करते हुए पुलिस की नयी कार्यप्रणाली, भूमिका, छवि एवं दायित्वों को निर्धारित किया जाये।

पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 58वें अखिल भारतीय इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री की इस सीख से यह जाहिर होता है कि आजादी के 77 साल बाद भी पुलिस जनता की दोस्त एवं रक्षक के रूप में काम नहीं कर रही। इसके लिए पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। प्रधानमंत्री की पुलिस अफसरों को दी गई नसीहत ने कई विचारणीय सवाल भी खड़े किए हैं। पहले भी पुलिस सुधारों को लेकर काफी विचार–विमर्श व सरकारी स्तर पर फैसले हुए हैं। मोदी ने कहा कि तीनों नए आपराधिक न्याय कानूनों को 'नागरिक प्रथम, गरिमा प्रथम, न्याय प्रथम' की भावना से बनाया गया है और पुलिस को अब डंडे के बजाय डाटा के साथ काम करना होगा। सवाल यह है कि इसके बावजूद क्या पुलिस अपनी कसौटी पर खरी उतर सकेगी? अहम सवाल यह भी कि क्या पुलिस को बिना राजनीतिक एवं शासन के दबाव के स्वतंत्र तरीके से काम करने के अवसर मिल सकेंगे? अगर इस सवाल का जवाब हां है तो हमें इसके कारण एवं मार्ग भी तलाशने होंगे। यह जगजाहिर है कि पुलिस को कई बार राजनीतिक दबाव में काम करना पड़ता है। पुलिस की कार्यप्रणाली बहुत जटिल है और पुलिस बल अपेक्षा से काफी कम है। बड़ा संकट यही है कि आबादी के अनुपात में जितने पुलिसकर्मी होने चाहिए, उतने आज भी नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 196 पुलिसकर्मी होने चाहिए जबकि वर्तमान में यह आंकड़ा 152 ही है। अनेक राज्यों में तो यह अनुपात 130 के भी नीचे है। पुलिस अफसरों की नियुक्ति में सिफारिशें एवं भ्रष्टाचार किस स्तर का होता हैं, यह भी किसी से छिपा नहीं है। विडम्बना यह है कि एक तरफ पुलिसकर्मियों की कमी है तो दूसरी तरफ मंत्री और विधायकों से लेकर पार्टी पदाधिकारी भी अपनी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती चाहते हैं, फिर जनता की सुरक्षा–ढाल कौन और कैसे बनेगा?

भारत को आजादी के अमृतकाल की सम्पन्नता यानी 2047 तक विकसित–सशक्त राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए भारतीय पुलिस को आधुनिक, तकनीकी और विश्वस्तरीय बनाने की जरूरत है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि वे पूरी ईमानदारी से जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन जनता का नजरिया शायद पुलिस के दावों से मेल नहीं खाता। पुलिस में सेवा, सहयोग एवं रक्षा का भाव हो तभी वह जनआकांक्षाओं के अनुरूप अपने आपको ढाल सकती है। शायद तभी प्रधानमंत्री की सीख भी कारगर साबित होगी। जरूरत इस बात की भी है कि हाईटेक हो रहे अपराधियों से निपटने के लिए पुलिस बेड़े को तकनीकी रूप से दक्ष किया जाए। पुलिस का बड़ा दायित्व है कि वह महिलाओं की सुरक्षा पर सकारात्मक एवं सुरक्षात्मक नजरिया विकसित करें ताकि वे कभी भी और कहीं भी बिना किसी भय के काम कर सकें। सरकार की माने तो महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकारों एवं नए कानूनों के तहत उन्हें प्रदान की गई सुरक्षा के बारे में जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

नये भारत, सशक्त भारत की बुनियादी जरूरत है वर्तमान पुलिस व्यवस्था को भारतीय मूल्यों एवं अपेक्षाओं के अनुरूप गठित करने की। क्योंकि आज की पुलिस व्यवस्था मूलतः ब्रिटिश पद्धति पर आधारित है, यह व्यवस्था लगभग 160 वर्ष से भी पुरानी है, जो रक्षक नहीं बल्कि भक्षक बनी हुई है। किसी पर भरोसा कर रक्षा के लिए छोड़ दे और वही आपका नुकसान कर दे तो उसे भक्षक कहते है। आज भी हमारे राजनेता एवं राजनीति विदेशी मानसिकता एवं दासता से ग्रस्त है। इसलिए तो हमारे शासकों एवं राजनेताओं को आज भी ऐसी पुलिस भाती है, जो उनके इशारों पर विरोधियों के हाथ–पैर तोड़ दे, उनके खिलाफ झूठे केस दर्ज कर दें या उनके समर्थकों के कानून तोड़ने पर अपनी आंखें मूंद ले? आज भी चुनाव जिताने के लिए पुलिस उनके पास सबसे कारगर औजार है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज भी भारत में जितने भी साम्प्रदायिक दंगे हुए उनमें पुलिस की भूमिका बेहद संदेहास्पद एवं खतरनाक स्थिति में थी। पुलिस का कार्य निष्पक्ष रह कर अपने कार्यों को अंजाम देना है ना कि उसी में शामिल हो जाना। राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस अपने कार्यों को निष्पादित नहीं कर पाती है और राजनीतिक कारणों से न्याय व्यवस्था प्रभावित होती है। सरकार को चाहिए कि पुलिस को पूरी तरह से राजनीतिक दबाव से मुक्त करे और अपना कार्य ईमानदारी पूर्वक करने दे। जनता की सुरक्षा के लिए आपको यह जिम्मेदारी दी गई है ना कि उसी का शोषण करने के लिए। पुलिस के काम करने का तरीका आज भी अंग्रेजों के जमाने का है, जिसे सभी सिविल नागरिक अपराधी ही नजर आता है। सरकार को देखना है कि पुलिस को मोरल पुलिसिंग की प्रेरणा एवं दायित्व मिले और उसके लिये नागरिक की सुरक्षा ही सबसे सर्वोपरि हो। पुलिस को अपने केस के अनुसंधान के लिए नए और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करना चाहिए ना कि पुराने समय के अवधारणा को लेकर अनुसंधान।

निश्चित ही मोदी सरकार ने अमृत काल में प्रवेश करते हुए दो महत्वपूर्ण विकासों पर जोर दिया, नई शिक्षा नीति का निर्माण और ब्रिटिश युग के कानूनों की जगह नये कानून बनाना। यही कारण है तीनों नए आपराधिक कानून सजा के बजाय न्याय प्रदान करने पर केंद्रित हैं और इन कानूनों के कार्यान्वयन से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली सबसे आधुनिक और वैज्ञानिक हो जाने की संभावना को बल मिला है। जरूरत है इन कानूनों के निष्पक्ष क्रियान्वयन की। जरूरत है कि इन नये कानूनों के अनुरूप पुलिस के प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था हो। सरकार की दिशा एवं संकल्प स्पष्ट है तभी देश में आतंकवाद, उग्रवाद, साम्प्रदायिक हिंसा एवं नक्सलवाद पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। लेकिन नये युग के अनुरूप अपराध भी नयी शक्ल में सामने आ रहे हैं, जैसे सीमाओं की सुरक्षा, साइबर–खतरे, आर्थिक भ्रष्टाचार, कट्टरपंथ, पहचान दस्तावेजों में धोखाधड़ी आदि है। इनसे लड़ने एवं इन्हें समाप्त करने में पुलिस की ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। पुलिस कानून व्यवस्था की केंद्रीय धुरी है, इसलिए उसकी दक्षता, कार्यक्षमता, कौशल, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पर ही नये भारत के नये कानूनों की कामयाबी का दारोमदार होगा। आज जब विश्व में भारत का महत्व बढ़ रहा है और आर्थिक विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है, तो शांति, सह–जीवन, स्थिरता और समृद्धि के लिए सक्षम एवं ईमानदार पुलिस तंत्र का होना आवश्यक है।

श्रीराम मंदिर आत्मविश्वास के जागरण का प्रतीक

—श्याम जाजू—

अयोध्या में श्री राम मंदिर का पुनर्निमाण और प्रभु श्री राम की मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा मात्र एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण और अभ्युदय का अमृत काल है। सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि से भरे हमारे देश में सांस्कृतिक धरोहर हमारी पहचान है। धर्म, भाषा, रूपरेखा, शैली और विविध संस्कृतियों और जीवन शैलियों के बाद भी भारत एक है। उसकी आत्मा एक है। हम सब एक–दूसरे से अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़े हुए हैं। इसी जुड़ाव को बढ़ाने की दिशा में प्रभु श्री राम के मंदिर का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर हमें अपनी सांझी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को अक्षुण्ण रखने में मदद देगा। श्री राम भारतीय संस्कृति के प्रेरणा पुरुष हैं। एक आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श मित्र हैं। हम भारतीय जिन सात्विक मानवीय गुणों को सदियों से पूजते आए हैं, वे सभी राम के व्यक्तित्व में निहित हैं। इसीलिए श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं और हमारी आस्था के केंद्र में हैं, हमारे चेतन–अवचेतन मन में हैं और चिर काल से इस देश के मानस में बसे हुए हैं। यहां राम सब के हैं और सब राम के हैं।

चाहे पूरब हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, राम हमारे मानस में समाए हुए हैं। देश के किसी भी हिस्से में जाएं और आपको लोगों के नाम में राम मिलेगा–दक्षिण में रामय्या, रामचन्द्रन या रामनाथन हो या उत्तर में रामशरण, राम सिंह या रामदास, राम सभी में हैं। सुबह की 'राम राम' से लेकर 'जय सिया राम' और जय श्री राम हमारे लिए अभिवादन और अभिनंदन हमारे व्यवहार में समाहितः सन्निहित हैं और भारत ही नहीं राम का संदेश भोगौलिक सीमाओं से परे, सार्वभौम और कालातीत है, उनकी प्रासंगिकता महज भारतीय उपमहाद्वीप तक ही सीमित नहीं है। राम कथा के अनगिनत संस्करण दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों जैसे थाईलैंड, इंडोनेशिया, कंबोडिया, म्यांमार, लाओस में आज भी प्रचलित हैं।

राम के आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक लोकहितकारी न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था को जिसमें सभी के लिए शांति, न्याय और समानता हो, सुनिश्चित करती है। इसीलिए राम मंदिर का निर्माण न केवल भारतीय सांस्कृतिक एकता का एक अद्वितीय प्रतीक है, यह सुशासन और सामाजिक समरसता की ओर प्रवृत्त करने की दिशा में एक महती प्रयास भी है। मंदिर ही एक वह जगह होती है जहां सभी वर्गों, जातियों और समुदायों के लोग एकत्र होते हैं और सांझा व्यवहार करते हैं जिससे धार्मिक एकता का संवर्धन होता है।

रामायण में श्रीराम की कथा ने सभी वर्गों और समुदायों को एक साथ लाने का संदेश दिया है तथा भारतीय समाज में धर्म, नैतिकता, और सत्य के मूल्यों को प्रोत्साहित किया है। परिणामतरू राम मंदिर निर्माण एक बड़े सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक संवाद का हिस्सा बन गया है जो भारतीय समाज को धार्मिक और सांस्कृतिक आधारों पर मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

निःसंदेह समाज में एकता और सभी धर्म–सम्प्रदायों के बीच समरसता की ओर यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 22 जनवरी को होने वाले प्रतिष्ठा समारोह में वाल्मीकि और रविदास मंदिर के पुजारियों की उपस्थिति और महघ्ष वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या धाम हवाई अड्डे का नामकरण, माता शबरी के नाम पर भोजनालय, निषाद राज के नाम पर अतिथि निवास, सामाजिक एकता, न्याय और सद्भाव का ही एक उदाहरण है। बौद्ध और जैन परंपराओं में भी इस नगरी का विशेष महात्म्य है। साथ ही अयोध्या के मुस्लिम समुदाय का मंदिर निर्माण की तैयारियों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेना और फारूक अब्दुल्ला जैसों का यह कहना, कि ''राम केवल हिंदुओं के नहीं हैं, राम सभी के हैं'', सचमुच एक महान परिवर्तन है।

अयोध्या में नव–निर्मित राम मन्दिर मात्र मंदिर नहीं है बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और भारत के पुनर्जागरण का प्रतीक है बल्कि यह भारत की सोई अस्मिता और आत्मविश्वास के जागरण का प्रतीक भी है। श्री राम जन्म भूमि का आंदोलन हिन्दू समाज का आत्म साक्षात्कार है। यह इस बात का प्रमाण है कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हिन्दू 550 बरस की लंबी लड़ाई लड़ और जीत सकते हैं। सच में अयोध्या में राम लला का भव्य मंदिर का निर्माण सभी भारतीय नागरिकों के लिए सदियों पुराने सपने के पूरे होने जैसा है। 500 वर्षों बाद रामनगरी का वैभव व कीर्ति लौट रही है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख महंत श्री नृत्य गोपाल दास, अध्यक्ष के शब्दों में, ''मंदिर निर्माण के साथ सिर्फ अयोध्या ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत के भाग्य का नया सूर्य उदित होगा। निरूसंदेह यह अवसर हर्ष और उल्लास का है। अयोध्या इस तरह प्रसन्न है, जैसे कि अपने आराध्य का पुनरू प्राकट्य हो रहा हो।'' सच में सामूहिक चेतना से जो काम होते हैं, उनमें अलग ही आनंद की अनुभूति होती है। आज सम्पूर्ण देश प्रसन्न है, जन–मानस आह्लादित है। जिन असंख्य लोगों ने राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति दी है, उनकी आत्माएं प्रसन्न हो रही होंगी, क्योंकि उनका बलिदान अब सार्थक होने जा रहा है। इसी के साथ मंदिर निर्माण आंदोलन की इति भी होगी जिसने भारतीय जनमानस की चेतना को लगभग 3 दशकों तक एक सूत्र में पिरोकर रखने का काम किया।

इसे विधि की व्यवस्था भी कह सकते हैं कि नव–निर्मित मंदिर में श्री राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का शुभ कार्य राम जन्मभूमि आंदोलन के महानायक पूर्व उप प्रधानमंत्री और सबके सम्माननीय श्री लाल कृष्ण अडवानी और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हो रहा है जो स्वयं भी राम जन्मभूमि आंदोलन के नायकों में से एक रहे हैं। सर्वविदित है कि मोदी साल 1990 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अडवानी की सोमनाथ से अयोध्या तक की उस रथयात्रा के सारथी थे, जिसने मंदिर आंदोलन को निर्णायक रफ्तार देने का काम किया था।

राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण गर्व का क्षण है, लेकिन इन क्षणों में इस पर भी विचार किया जाना चाहिए कि ड्क्षहदू समाज को किन कारणों से विदेशी हमलावरों के अत्याचार और उनकी गुलामी का सामना करना पड़ा। निरूसंदेह हिंदू समाज के एकजुट न होने के कारण विदेशी हमलावरों ने फायदा उठाया। यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि भेदभाव और छुआछूत हिंदू समाज को कमजोर करने का एक बड़ा कारण बना।

अब जब समाज के हर तबके को अपनाने वाले भगवान राम के नाम का मंदिर बनने जा रहा है तब सभी का यह दायित्व बनता है कि वे पूरे हिंदू समाज को जोडने और उनके बीच की बची–खुची कुरीतियों को खत्म करने पर विशेष ध्यान दें। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अयोध्या एक ऐसा केंद्र बने जो भारतीय समाज को आदर्श रूप में स्थापित करने में सहायक बने। हमें पूर्ण विश्वास होना चाहिए कि राम मंदिर का निर्माण भारत के लिए एक नए युग का प्रादुर्भाव करेगा जो देश को सांस्कृतिक एकता, भ्रातृत्व, और समरसता की दिशा में आगे ले जाएगा।

अयोध्या और कांग्रेस

—आशीष वशिष्ठ—

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस भले ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रहे। लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण उसके एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है।

इतिहास के पन्ने पलटे तो स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने मुहम्मद गजनवी द्वारा तोड़े गए भगवान सोमनाथ के मंदिर को यह कहकर पुनः निर्माण कराया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सरदार स्वर्गवासी हो गए तो कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन कराया। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद सोमनाथ गए।

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हुए केवल तुष्टिकरण का ही सहारा लिया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है।

हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955–56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर भी पहुंचा था। कांग्रेस सरकार द्वारा 1991 में प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू किया गया। पूजा स्थल कानून कहता है कि पूजा स्थलों की जो स्थिति 15 अगस्त 1947 में थी वही रहेगी।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक समेत सभी डाक्टर रहे हड़ताल पर, लौटे मरीज

संवाददाता–गोण्डा। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चमरा गई है। जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक समेत सभी डॉक्टर हड़ताल पर चले गए। बाबू ईश्वर शरण जिला चिकित्सालय स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबंध होने के बाद डॉक्टर का आरोप है कि उन्हें समय से वेतन नहीं मिल पा रहा है। 3 माह से वेतन न मिलने से नाराज अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक समेत सभी डॉक्टर्स हड़ताल पर चले गए हैं। जिससे अस्पताल की पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। सिर्फ इमरजेंसी खुली है। जिससे दूर दराज से आए मरीजों को मायूस होकर वापस लौटना पड़ रहा है। गोंडा जिला चिकित्सालय के डॉक्टर को तीन महीने से वेतन न मिलने पर मेडिकल कालेज के डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारी सोमवार से हड़ताल पर चले गए। पर्चा काउंटर बंद कर दिया गया हैघ्। इमरजेंसी को छोड़कर अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाएं ठप हो गयी हैं। डाक्टर और कर्मचारी अस्पताल परिसर में धरने पर बैठे हैं। अचानक हुई डाक्टरों की हड़ताल से अस्पताल आने वाले मरीजों को बैरंग वापस लौटना पड़ रहा हैघ्। वेतन न मिलने से नाराज डॉक्टर अस्पताल परिसर में धरना दे रहे हैं।

अपनी गजलों में समाज की देंह रच रहे हैं बहार गोरखपुरी

–'भोजपुरी संगम की 167 वीं बइठकी'

संवाददाता– गोरखपुर। 'भोजपुरी संगम' की 167 वीं बइठकी 66, खरैया पोखरा, बशारतपुर, गोरखपुर स्थित संस्था कार्यालय में जय प्रकाश मल्ल की अध्यक्षता एवं नंद कुमार त्रिपाठी के सरस संचालन में सम्पन्न हुई।

बइठकी के प्रथम सत्र में डॉ बहार गोरखपुरी की भोजपुरी गजलों की समीक्षा की गई। समीक्षा क्रम का आरम्भ करते हुए गजलकार सृजन गोरखपुरी ने कहा कि वर्तमान जीवन और अनुभवों से परिपूर्ण बहार की गजलें अपनी सहजता और बहुव्यंजना की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। ये गजल के रूप में समाज की देह रच रहे हैं जो समकालीनता की दृष्टि से साहित्य के मन को प्रफुल्लित करता है। समीक्षा क्रम को आगे बढ़ाते हुए गीतकार व पत्रकार वीरेंद्र मिश्र श्दीपकश ने कहा कि बहार की भोजपुरी गजलों में जनवादी तेवर विद्यमान है एवं इनमें गजलियत और व्याकरण का गंभीरता से खघ्याल रखा गया है। पाठकीय समीक्षा के अन्तर्गत प्रदीप मिश्र ने भोजपुरी गजल की दिशा में बहार के प्रयास को सराहा। वागीश मिश्र ने बहार की गजलों में यथार्थ के जीवंत चित्रण की प्रशंसा की। अध्यक्षता कर रहे जय प्रकाश मल्ल ने बहार की भोजपुरी गजलों पर सुखद आश्चर्य व्यक्त करते हुए उद्घाटित किया कि भोजपुरी में भी सशक्त गजलें रची जा सकती हैं, इनमें बहुत कुछ देखा–सुना जा सकता है।

बइठकी के द्वितीय सत्र में कवियों ने भोजपुरी की समृद्ध रचनाएँ पढ़ीं – यशस्वी 'यशवंत' की सरस रचना ने बइठकी का राममय शुभारंभ किया–
आजु अयोध्या के उत्सव में मिथिलो नाची–गाई,
बेटी के ससुरा में बरसन बाद इस सुभ दिन आई।

सूरज राम 'आदित्य' ने भोजपुरी में नई कविता का समावेश किया –
अम्मा के गुजरले एगो समय हो गइल, सायद उ आज रहतीं त देखतीं कि हम केतना सुधरि गइल बानी, हम केतना बदलि गइल बानी

अरविंद 'अकेला' ने निर्गुण रचना पढ़ी – ये मैना के कवन भरोसा, कब पिंजरा छोड़ उड़ि जाई,
खुलल आँखि खुलले रहि जइहें, केहू समझि न पाई।' कुमार अभिनीत ने जाड़े का सटीक चित्रण किया –
गँटई गाँती, देहीं सुइटर, हाथ गोड़ कठुआइल बा,
चलीं दुवारे कउड़ा बारीं, बड़वर जाड़ा आइल बा।

नंद कुमार त्रिपाठी ने भोजपुरी गजल में नया तेवर प्रस्तुत किया ––
कटल बा पाँखि अब एहवाँ उड़ान से पहिले,
नतीजा आ गइल बा इंतहान से पहिले।

सृजन गोरखपुरी ने अपनी चर्चित गजल में कहा–
बहुत मायूस बा खुद्दार एहवाँ,
सुफल हर डेग चातुर हो रहल बा ।

डॉ.फूलचन्द प्रसाद गुप्त के दोहों ने बइठकी को उँचाई प्रदान की–
बेर–बेर अन्हार के, कहेला भइल अँजोर।
सेन्ही में गावत हवे, जइसे जब्बर चोर।।

वीरेन्द्र मिश्र 'दीपक' ने अपने चर्चित रामनामी गीत द्वारा समा बाँधा। राम समुझ 'साँवरा' ने जाड़े से ठिठुरती गरीबी को गीत में ढाला। ओम प्रकाश पाण्डेय 'आचार्य' ने अपनी रचना द्वारा स्वर्गीय पंडित हरिराम द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित की।उपरोक्त के अलावा बइठकी में वागेश्वरी मिश्र 'वागीश', बहार गोरखपुरी, डा.अजय राय 'अनजान' आदि कवियों की रचनाएँ भी उल्लेखनीय रहीं। प्रदीप मिश्र, राघवेन्द्र मिश्र एवं डा. विनीत मिश्र आदि अनेक लोगों की विशेष उपस्थिति से समृद्ध बइठकी हेतु इं. राजेश्वर सिंह ने आभार ज्ञापित किया. अंत में गत वर्ष 'सत्तन सम्मान' से सम्मानित आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से जुड़े भोजपुरी के वरिष्ठ साहित्यकार पं.हरिराम द्विवेदी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

गल्ला कारोबारियों ने अयोध्या भेजी गेहूं आटा की खेप

संवाददाता–बहराइच। अयोध्या में नव निर्मित मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर गल्ला कारोबारियों ने गेहूं के आटा की खेप इकट्ठा किया। जिसे सोमवार को ट्रक पर लोड करवा कर भेजवाया गया। रोलर फ्लोर मिल महामंत्री शुभम टेकड़ीवाल ने बताया कि पांच सौ बोरियों में 250 कुंतल आटा भेजवाया गया। इस अवसर पर गौरीशंकर भानीरामका, रीतेश गुप्ता, राजेश अग्रवाल, आयुष केडिया, मनीष अग्रवाल, निखिल टेकड़ीवाल, अनिल सिंह मौजूद

एक सप्ताह में निस्तारित करने के निर्देश

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आए फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी को दो शिकायतें प्राप्त हुई। जिन्हें एक सप्ताह में निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने को डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया।

बाल योगी रामदास ने सांसद डिंपल यादव के जन्मदिन पर बांटे कंबल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम नगरी में मां सरयू के पावन तट पर स्थित सिद्ध पीठ करतलिया बाबा आश्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी सांसद डिंपल यादव के जन्मदिन पर आश्रम के पीठाधीश्वर महंत बाल योगी रामदास के संयोजन में संतो महंतों ने अन्न वस्त्र और फल दान कर प्रभु श्री राम लला से उनकी लंबी आयु की कामना की।महंत रामदास जी महाराज ने बताया कि मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव का 46 वां जन्मदिन अयोध्या गरीबों को कंबल वितरण के साथ मनाया गया। उन्होंने बताया कि डिंपल यादव बड़ी ही शालीन और जनप्रिय नेता हैं उनसे पार्टी का कोई छोटा बड़ा कार्यकर्ता बड़े ही आसानी से मिल कर के सानिध्य प्राप्त कर सकता है यही कारण है कि वह उत्तर प्रदेश की जनप्रिय नेता है और आज पूरा प्रदेश बड़े ही सादगी के साथ अपने जनप्रिय नेता का जन्मदिन मना रहा है। श्री राम नगरी में संतो महंतों के नेतृत्व में गरीबों को खिचड़ी दान की गई और कंबल वितरण किया गया। सांसद डिंपल के जन्मदिन पर कंबल वितरण कार्यक्रम पूरे सप्ताह भर चलेगा।

22 जनवरी को मिथिला शरण महाराज छोटे सरकार की होगी प्राण प्रतिष्ठा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर पश्चिम उत्तर तट पर सुशोभित सिद्ध पीठ सियाराम जिला संतों की साधना और तपस्या के लिए जाना जाता है यहां पर विराजमान श्री सियाराम किला बिहारणी बिहारी जू युगल सरकार को मां सरयू निरंतर दर्शन देती रहती हैं और यहां पहुंचने पर जिस आत्मिक शांति का सुखद अनुभव होता है ऐसा अनुभव वही होता है जहां संत निरंतर तपस्या में रत रहते है। बर्षो बीत जाने के बाद आज भी झुनझुनियां बाबा और सिद्ध पीठ सियाराम किला के प्रथम पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन स्वामी मिथिला शरण महाराज छोटे सरकार की तपस्या मंत्र मुग्ध कर देती है और यहां आने वाले को सुखद शांति का अनुभव होता है। पूर्वाचार्य गुरुदेव भगवान की परंपरा को वर्तमान पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं और यह आश्रम सेवा का पर्याय बन गया है। श्री महाराज जी के संयोजन में प्रथम पीठाधीश्वर श्री मिथिला शरण जी महाराज के प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पौष शुक्ल द्वादशी सोमवार 22 जनवरी को होगी और आश्रम में 17 जनवरी से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ श्री राम कथा से प्रारंभ हो जाएगा। श्री राम कथा अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता स्वामी प्रभंजनानंद शरण महाराज 17 जनवरी से अपराह्न 3 बजे से हरि इच्छा तक कहेंगे। 17 जनवरी को कलश यात्रा पंचांग पूजन कर्म कुटी संस्कार, 18 जनवरी को बेदी पूजन, जल धिवास, अन्ना धिवास ,21 जनवरी को वेदी पूजन, महा स्नान, नगर भ्रमण, शय्या धिवास, 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हवन पूजन पूर्णाहुति एवं 23 जनवरी को विशाल भंडारा होगा। वहीं प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है।

विश्व में भारतीय संस्कृति की सुगंध बिखेर रही है श्रीराम कथा

संवाददाता–गोण्डा। कटराकुटी पर अयोध्या श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के क्रम में शुरू हुई नौ दिवसीय श्रीराम कथा के पहले दिन कथा व्यास पंडित भुवनेश शास्त्री ने कहा कि बिना श्रीरामजी की कथा श्रवण के किसी भी भक्त को कभी भी मनोवांछित फल की प्राप्ति नहीं हो सकती। भगवत प्रेमियों को जैसे भी यह जानकारी मिले की किसी स्थान पर भगवान की कथा चल रही है तो कुछ ना कुछ समय निकालकर भगवान श्रीराम कथा श्रवण के लिए अवश्य जाना चाहिए। कथा व्यास ने कहा कि यदि यह भाव स्वभाव में आ गया तो इसमें किंचित मात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए की भक्त का परम कल्याण ना हो। अनंतकाल से इतिहास गवाह है कि अपने भक्तों को प्रभु ने ना तो डूबने ना तो मिटाने दिया और ना ही मरने दिया सभी को अमरत्व प्रदान करके अपने में विलीन कर लिया। इस अवसर परघ् कथा व्यास ने कहा कि आगामी 22 जनवरी 2024 को सबसे बड़ा ऐतिहासिक दिन है। इस स्वर्णिम अवसर का सुखद संयोग स्वयं प्रभु श्रीराम ने ही बनाया है इसलिए सभी भक्तों और हिंदुओं को 22 जनवरी को भव्य दीपोत्सव मनाना चाहिए। इस अवसर पर कटरा कुटी धाम के पीठाधीश्वर महंत चिन्मयानंद दास, डॉ अरुण सिंह, विनोद कुमार गुप्ता, चंद्र किशोर शास्त्री, डॉ. कुमार,ओम प्रकाश गुप्ता, विजय सोनी,धीरेंद्र शुक्ला, रजनीश कमलापुरी, गौरी शंकर गुप्ता ,दिवाकर मौर्य , अरविंद सिंह समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रभु राम की शोभायात्रा निकाल बांटे अक्षत

संवाददाता–गोण्डा। अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर जिले में पूजित अक्षत वितरण का कार्य तेजी से चल रहा है। अक्षत वितरण कार्यक्रम के अंतिम दिन भगवान राम की शोभायात्रा निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। उधर, मसकनवा में निकाली गई मंगल कलशयात्रा में बड़ी संख्या में रामभक्तों ने हिस्सा लिया। इस दौरान घर घर अक्षत, दीपक और राम जन्मभूमि का चित्र वितरित किया गया। शहर में पूजित अक्षत वितरण समिति के नगर अध्यक्ष भूपेंद्र प्रकाश आर्य के नेतृत्व में सामाजिक संस्थाओं व मंदिरों पर संपर्क स्थापित कर अक्षत वितरण किया गया। साथ ही अनुरोध किया गया कि अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह समाज को दिखाएं। 22 को सूर्यास्त के बाद अपने घरों पर भव्य दीपोत्सव मनाएं। इस दौरान समिति के सचिव विशाल अग्रवाल, धर्मेंद्र पांडे , गौरी शंकर चतुर्वेदी, अजय विक्रम सिंह, विनीत सिंह, आकाश, सूरज, राजेश, चंद्रशेखर आदि उपस्थित रहे।

सोमवार को मसकनवा में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति की ओर मंगल कलश यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा कस्बे के विभिन्न हिस्सों से होती हुई खाले गांव पटखौली पहुंची। हाथ में भगवाध्वज और पीले व लाल परिधान में निकले राम भक्तों के जय श्री राम के जय घोष से पूरा वातावरण राममय हो गया। इसमें शामिल राम दरबार और धनुषाकार साइकिल विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस मौके पर राम कुमार गुप्ता, प्रबंधक ज्ञान प्रकाश पांडेय,अनिल मिश्रा,विष्णु विवेक शुक्ला, भरत लाल त्रिपाठी, संतोष कुमार, डॉ अशोक शुक्ल,दिलीप, रामजी, रामजी श्रीवास्तव, दिनेश, किशन, विजय कुमार, चंद्र प्रकाश, राज कुमार, शिवपूजन आदि रहे।

धूप रही बेअसर, पछुआ हवाओं से कांपे लोग

संवाददाता–बलरामपुर। कोहरे व ठंड के प्रकोप से जिलेवासी परेशान हैं। पिछले 15 दिनों से लगातार पड़ रही ठंड ने लोगों को कांपने पर विवश कर दिया है। रात में आने जाने वाले यात्रियों के अलावा मरीजों व तीमारदारों को कड़ाके की ठंड में तमाम परेशानी झेलनी पड़ती है। सबसे अधिक दिक्कत बच्चों व बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। बच्चों व बुजुर्गों को ठंड से बचाना चुनौती भरा काम है। तीन दिनों से आसमान में छाई बदली के चलते गलन भरी ठंड बढ़ी है। हॉलाकि सोमवार को दोपहर बाद करीब दो घंटे के लिए धूप तो निकली लेकिन ठंड से कुछ राहत नहीं मिली। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार को दिन का तापमान 14 व रात में छह डिग्री परा रहा। वहीं करीब एक सप्ताह तक लगातार कड़ाके ठंड से राहत न मिलने की बात मौसम विभाग बता रहा है।

रामभक्तों के लिए आयुष विभाग ने लगाए कैंप

संवाददाता–गोण्डा। जिले के आयुष विभाग के संयोजन मे सोमवार के कटरा शिवदयालगंज तिराहे के निकट हाईवे के किनारे अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओ के लिए चिकित्सा शिविर लगा। पूर्व मंत्रीध् विधायक रमापति शास्त्री ने शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले लोगो के लिए योगी सरकार ने सभी प्रकार की सहूलियत देने के व्यापक प्रबंध किए हैं। गोंडा शहर में अयोध्या रोड पर मुन्नन खां चौराहे के पास राजकीय यूनानी चिकित्सालय पर राम भक्तों के लिए सोमवार को कैम्प लगाया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र ने फीता काटकर कैम्प का उद्घाटन किया।

पूर्व मंत्री और विधायक रमापति शास्त्री ने कहा कि जिला आयुष विभाग की ओर शिविर लगाने का काम सराहनीय है। इसमें जरूरतमंदों के उपचार साथ उन्हें दवाएं भी निशुल्क दी जाएंगी। इस मौके पर मडंलीय होम्योपैथी अधिकारी डा. अलका कपिल और क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एव यूनानी अधिकारी डॉ. अरूण कुमार कुरील ने भी मौजूद रहे। शिविर में डॉ. मनीष जायसवाल, डॉ. बिनोद पाल, डॉ. बाबू नंदन श्रीवास्तव, डा. अभय कुमार प्रजापति, डा. नंद कुमार पाठक के साथ दुर्गा प्रसाद मिश्र, दीपक , सुभाष पाण्डेय, जगभान सिंह, जीत बहादुर, विकास कुमार, सन्तोष कुमार, सद्दाम, देवेन्द्र प्रताप आदि तैनात किए गए हैं।

राम भक्तों के लिए लगा मेडिकल कैम्परू गोंडा शहर में आयोजित कैंप के दौरान डा. हुमैरा बानो, डा. रश्मि ओझा, डा. विनोद कुमार शुक्ल, डा. शिव प्रसाद वर्मा, ओम प्रकाश, सुधांशु द्विवेदी, संजय कुमार रहे। चीफ फार्मासिस्ट वीके शुक्ल ने बताया कि मौसमी बीमारियों की दवा राम भक्तों के लिए उपलब्ध रहेगी। अयोध्या आने–जाने वाले राम भक्त कैम्प में आकर लाभ उठा सकते हैं।

जमीन पर पड़ी धूल फांक रही हाईमास्ट लाइट

संवाददाता–श्रावस्ती। हाईमास्ट लाइट सालों से खराब शोपीस बनी हुई थी। अब खंभा टूट गया है और लाइट जमीन पर पड़ी धूल फांक रही है। लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान देना भी मुनासिब नहीं समझा है। जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट चौराहे पर विधायक निधि से हाईमास्ट लाइट लगाई गई थी। लाइट लगने के बाद चौराहे पर प्रकाश की व्यवस्था हो गई थी। रात में प्रकाश होने से लोगों को काफी सहूलियत मिलती थी। लेकिन कुछ महीने तक लाइट जली इसके बाद खराब हो। करीब चार साल से यह हाईमास्ट लाइट खराब थी और खंभे पर लगी शोपीस बनी हुई थी। इन चार सालों में जिम्मेदारों ने लाइट ठीक कराने की जहमत नहीं उठाई। लेकिन अब लाइट का लोहे का खंभा टूट गया है और हाईमास्ट लाइट खंभे के साथ ही जमीन पर पड़ी धूल फांक रही है। लोगों का कहना है कि लाइट खराब थी तो लोगों के लिए निष्प्रयोज्य थी पर खंभे की शोभा बनी हुई थी। लेकिन अब खंभा टूटकर गिर गया है और लाइट जमीन पर पड़ी है। लोगों ने बताया कि खंभा जंग लगने से सड़ चुका था। रविवार को हल्की हवा का झोंका लगते ही खंभा टूटकर गिर गया। इस दौर आते जाते लोग बाल बाल बच गए। खंभा गिरते समय किसी के भी उसकी जद में आने की आशंका थी पर लोग चपेट में आने से बाल बाल बच गए। दो दिन हो गए हैं लेकिन कोई भी जमीन पर पड़ी लाइट को देखने तक नहीं आया है। वहीं जमीन पर गिरने से लाइट भी टूट कर क्षतिग्रस्त हो गई है। लोगों ने हाईमास्ट लाइट ठीक कराने की मांग की है।

राम मन्दिर का चित्र देकर 22 को दीपोत्सव मनाने की अपील

संवाददाता–बहराइच। कैसरगंज नगर पंचायत में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से आए पूजित अक्षत, चित्र को हनुमान मंदिर प्रांगण से गाजे– बाजे जय श्रीराम के नारे के साथ घर–घर वितरण किया गया। 22 जनवरी को नूतन विग्रह पर नवीन मंदिर के गर्भगृह में विराजित करके प्राण–प्रतिष्ठा की जाएगी। नवनिर्मित मंदिर के दर्शन को अनुकूल समयानुसार अयोध्या धाम में परिवार सहित जाएं और श्रीराम जी की कृपा प्राप्त करें। पूर्व प्रधान कौशलेंद्र चौधरी ने बताया कि 22 जनवरी को सभी लोग दीपावली मनाएं तथा आसपास के मन्दिरों में उत्सव मनाएं अक्षत वितरण कार्यक्रम में संघ से देवेंद्र उपाध्याय राजेश श्रीवास्तव, उमेश सिंह, राकेश सोनी, मोहित मिश्रा, विष्णु प्रताप सिंह, विनय, बृजेश, शिवबालक, विश्व हिंदू परिषद से हनुमंत लाल भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष शिव सहाय सिंह, बुद्धिसागर गुप्ता, कौशलेंद्र चौधरी पूर्व प्रधान, भगवानदास सोनी,अनिल कुमार सोनी अन्ना, विनोद वर्मा,अंकित, लोकेंद्र प्रताप,आशु सोनी , सोनी सहित सैकडों की संख्या में राम भक्त उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर हुए विविध कार्यक्रम, जगह जगह हुआ खिचड़ी

संवाददाता–श्रावस्ती। मकर संक्रांति के मौके पर राप्ती नदी में पवित्र डुबकी लगाई है। इसके साथ ही दान दक्षिणा दिया गया और जगह जगह खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। सोमवार सुबह राप्ती नदी के विभिन्न घाटों पर लोगों ने स्नान किया। जमुनहा के रामपुर घाट, मधवापुर घाट, भाखला घाट पर लोगों ने स्नान किया। वहीं सीताद्वार झील में भी लोगों ने स्नान करके दान दक्षिणा दिया। गिलौला विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत दंदौली में समाजसेवी राजीव पांडेय की अध्यक्षता में समरसता खिचड़ी भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खिचड़ी भोज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडेय रहे। वहीं गिलौला विकास क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान मौजूद रहे। खिचड़ी भोज के बाद नवनिर्मित सचिवालय का लोकार्पण विधायक राम फेरन पांडेय ने किया। उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और नमो एप पर लोगों का रजिस्ट्रेशन करवाया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी और ग्राम प्रधान ओम शंकर तिवारी, राम उदार मिश्र, पिंटू सिंह, हरीश सिंह, राजेंद्र मौर्य, अनोखी लाल यादव समेत विकास क्षेत्र गिलौला के सभी ग्राम प्रधान और भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पांच सौ मंदिरों में रामभक्त करेंगे सुंदरकांड का पाठ

संवाददाता–गोंडा। अयोध्याधाम स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही पूरा जिला राममय हो चुका है। घर–घर पूजित अक्षत वितरण के साथ श्रीराम कथा और श्रीमद् भागवतकथा के आयोजन शुरू हो गए हैं। इनका समापन 22 जनवरी को पूर्णाहुति के बाद भंडारे के साथ होगा। साथ ही मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान अखण्ड कीर्तन और सुंदरकांड पाठ के आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। जिले के करीब पांच सौ मंदिरों में सुन्दरकाण्ड पाठ के साथ भजन–कीर्तन और आरती होगी। इसके लिए विभिन्न समितियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा व पूजित अक्षत वितरण समिति के नगर अध्यक्ष भूपेंद्र प्रकाश आर्य ने बताया कि जिले के सभी मंदिरों पर भव्य दीपोत्सव और बड़े मंदिरों पर भजन–कीर्तन के साथ विजय मंत्र श्रीराम जय जय राम का पाठ होगा। मंदिरों पर दोपहर एक बजे आरती के साथ रामभक्तों के लिए भंडारे आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शहर के पुरानी हनुमानगढ़ी पर सुंदरपाठ के आयोजन की जिम्मेदारी श्रीमेहंदीपुर बालाजी परिवार को सौंपी गई है। शहर के पोर्टरगंज के हरि मंदिर, बहराइच रोड पर, दुखहरणनाथ, काली भवानी मंदिर, नई हनुमानगढ़ी पर भजन–कीर्तन के साथ भंडारे का आयोजन होगा। तरबगंज क्षेत्र के पकड़ी बाजार स्थित हनुमान मंदिर पर रामभक्त अखंड श्रीराम चरित मानस का पाठ, सुसैला गांव में सुंदरकांड पाठ करेंगे।

लाउडस्पीकर पर गूंजेगी रामाधुनरू शहर के मालवीयनगर स्थित गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब में गुरु प्रकाश पर्व के मद्देनजर विविध आयोजन हो रहे है। शहर में लगी 45–46 लाउडस्पीकरों पर गुरुवाणी भी सुनाई देती है। समिति के जुड़े लोगों की कोशिश है कि सिख समाज के आयोजन का समापन होने पर इन्हीं लाउडस्पीकरों के माध्यम के रामाधुन की गूंज शहरवासियों को सुनाई पड़े। कीर्तन मंडलियों की बुकिंगरू कीर्तनमंडली संचालक पटमेश्वरी ओझा, रमेश चंद्र तिवारी, सुरेश चंद्र तिवारी आदि ने बताया कि 22 जनवरी के लिए पहले से मंदिरों पर भजन कीर्तन के लिए स्वीकृति दे चुके हैं। इन लोगों ने बताया कि प्रभु रामलला के विराजमान होने के अविस्मरणीय मौके पर भजन–कीर्तन करना सौभाग्य की बात है।

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन जिलेभर में भव्य और दिव्य आयोजन की तैयारी

संवाददाता–गोंडा। अयोध्याधाम स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही पूरा जिला राममय हो चुका है। घर–घर पूजित अक्षत वितरण के साथ श्रीराम कथा और श्रीमद् भागवतकथा के आयोजन शुरू हो गए हैं। इनका समापन 22 जनवरी को पूर्णाहुति के बाद भंडारे के साथ होगा। साथ ही मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान अखण्ड कीर्तन और सुंदरकांड पाठ के आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। जिले के करीब पांच सौ मंदिरों में सुन्दरकाण्ड पाठ के साथ भजन–कीर्तन और आरती होगी। इसके लिए विभिन्न समितियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा व पूजित अक्षत वितरण समिति के नगर अध्यक्ष भूपेंद्र प्रकाश आर्य ने बताया कि जिले के सभी मंदिरों पर भव्य दीपोत्सव और बड़े मंदिरों पर भजन–कीर्तन के साथ विजय मंत्र श्रीराम जय जय राम का पाठ होगा। मंदिरों पर दोपहर एक बजे आरती के साथ रामभक्तों के लिए भंडारे आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शहर के पुरानी हनुमानगढ़ी पर सुंदरपाठ के आयोजन की जिम्मेदारी श्रीमेहंदीपुर बालाजी परिवार को सौंपी गई है। शहर के पोर्टरगंज के हरि मंदिर, बहराइच रोड पर, दुखहरणनाथ, काली भवानी मंदिर, नई हनुमानगढ़ी पर भजन–कीर्तन के साथ भंडारे का आयोजन होगा। तरबगंज क्षेत्र के पकड़ी बाजार स्थित हनुमान मंदिर पर रामभक्त अखंड श्रीराम चरित मानस का पाठ, सुसैला गांव में सुंदरकांड पाठ करेंगे।

लाउडस्पीकर पर गूंजेगी रामाधुनरू शहर के मालवीयनगर स्थित गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब में गुरु प्रकाश पर्व के मद्देनजर विविध आयोजन हो रहे है। शहर में लगी 45–46 लाउडस्पीकरों पर गुरुवाणी भी सुनाई देती है। समिति के जुड़े लोगों की कोशिश है कि सिख समाज के आयोजन का समापन होने पर इन्हीं लाउडस्पीकरों के माध्यम के रामाधुन की गूंज शहरवासियों को सुनाई पड़े।

कीर्तनमंडली संचालक पटमेश्वरी ओझा, रमेश चंद्र तिवारी, सुरेश चंद्र तिवारी आदि ने बताया कि 22 जनवरी के लिए पहले से मंदिरों पर भजन कीर्तन के लिए स्वीकृति दे चुके हैं। इन लोगों ने बताया कि प्रभु रामलला के विराजमान होने के अविस्मरणीय मौके पर भजन–कीर्तन करना सौभाग्य की बात है।

23 नोडल व 102 सहायक नोडल अधिकारी कराएंगे लोकसभा चुनाव

संवाददाता–श्रावस्ती। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए नोडल व सहायक नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। तैनात किए गए अधिकारियों को सकुशल व निष्पक्ष रूप से चुनाव सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही सौपे गए दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा ने बताया कि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के लिए नोडल व सहायक नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 23 नोडल अधिकारी व 102 सहायक नोडल अधिकारी तैनात किए गए है। उन्होंने बताया कि मतदान व मतगणना कार्मिक व्यवस्था के लिए सीडीओ अनुभव सिंह को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है जबकि सहायक प्रभारी अधिकारी डीडीओ राम समुझ, बीएसए अमिता सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निगम प्रताप सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीके दास व जिला बचत अधिकारी राम प्रसाद को बनाया गया है। इसके अलावा स्वीप योजना व मतदाता जागरूकता तथा निर्वाचन सहभागिता कार्यक्रम ईएलसी के लिए सीडीओ को नोडल अधिकारी व डीआईओएस मिथिलेश कुमार को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कन्ट्रोल रुम, शिकायत प्रकोष्ठ, हेल्पलाइन, सी विजिल, एनजीएसपी तथा परमिशन व्यवस्था के लिए एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। जबकि जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. अमरनाथ यति, उपायुक्त उद्योग वीके चौधरी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध सिंह, अपर सांख्यिकीय अधिकारी महेन्द्र वर्मा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह सुरक्षा व्यवस्था, वर्नबिलिटी, क्रिटिकल्स बूथ व जिला सुरक्षा योजना के तहत एडीएम को नोडल अधिकारी व एएसपी प्रवीण कुमार यादव, एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, एसडीएम इकौना अरुण कुमार, एसडीएम जमुनहा संजय कुमार राय, सीओ भिनगा व सीओ इकौना को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ईवीएम व वीवीपैट की व्यवस्था के लिए एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा को नोडल अधिकारी तथा उपनिदेशक कृषि, प्राचार्य राजकीय पालिटेक्निक, अधिशासी अभियंता जल निगम, जिला कृषि अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह अन्य अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शीतलहर के प्रकोप से बचने के लिए बरतें विशेष सावधानी –डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में भीषण ठंड को देखते हुए डीएम ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। साथ ही ठंड से बचाव के लिए कुछ सावधानी अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने अनावश्यक ठंड में बाहर निकलने से बचने को कहा है। डीएम कृतिका शर्मा ने लोगों को ठंड से बचाव के लिए सावधान करते हुए बताया है कि भीषण शीतलहर चल रही है। रविवार को अधिकतम तापमान 15 डिग्री व न्यूनतम तापमान आठ डिग्री रहा। ऐसे में प्रशासन ने आम जनमानस को ठंड से बचाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। सभी जरूरी स्थानों पर अलाव जलाये जा रहें हैं। रैन–बसेरा क्रियाशील हैं और लगातार कंबल वितरित किया जा रहा है। जिलाधिकारी अपील की है कि शीतलहर में घर से कम निकलें और निकलना आवश्यक हो तो बाहर जाते समय पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें। गर्म पेय पदार्थ पिएं। बंद कमरे में अंगीठी जलाकर न सोएं। इससे जान को खतरा हो सकता है। ठंडी हवा सीधे कान में न जाए इसलिए मफलर टोपी का प्रयोग करें। गुनगुना पानी पिएं और ताजे अथवा गर्म पानी से स्नान करें। ठंड के मौसम में आइसक्रीम, कोल्डड्रिंक, फ्रिज में रखे ठंडे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। घर में बुजुर्गजनों व बच्चों का विशेष ख्याल रखें। पशु आश्रय स्थलों को तिरपाल आदि से कवर करके रखें। किसी को भी कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो तो तत्काल निकट के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।

बीमारी से बचाव के लिए दिया गया परामर्श

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी की ओर से सोमवार को हरिहरपुररानी गांव में निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सहायक कमांडेंट डा कल्पना महादेव पाटील की ओर से 37 ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया और जरूरत अनुसार दवाएं दी गई। इसके अलावा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने व ठंड के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर सहायक उप निरीक्षक (फार्मा) जावेद अहमद, आरक्षी (नर्सिंग सहायक) हरेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को कराया गया खिचड़ी भोज

संवाददाता–श्रावस्ती। मकर संक्रान्ति पर्व के अवसर पर सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव भिनगा में स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे। एएसपी की ओर से वृद्धाश्रम में खिचड़ी भोज का आयोजन किया। जिसमें वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी वृद्धजनों को एक साथ बैठाकर एएसपी ने खुद खिचड़ी परोस कर खिलाई। इसके बाद उन्होंने एएसपी ने वृद्धजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनको हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में वार्डन से बातचीत की तथा उनसे खान–पान व स्वास्थ्य की उचित देखभाल तथा ठंड से बचाव के लिये अलाव की उचित व्यवस्था के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर भिनगा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

गोरखनाथ मंदिर में उमड़ी आस्था, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्म मुहूर्त में चढ़ाई खिचड़ी

संवाददाता–गोरखपुर। मकर संक्रांति पर्व पर गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के लिए आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। देश के कोने–कोने से आए लाखों श्रद्धालु भोर से ही कतार में लग गए। मंदिर का कपाट खुलते ही गुरु गोरखनाथ के जयकारे से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। भोर से शुरू हुई कतार देर शाम तक बनी रही। सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में तीन बजे गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत आदित्यनाथ ने विधिवत पूजा और आरती की। इसके बाद मंदिर की तरफ से देश के कल्याण और सुख समृद्धि की कामना को लेकर गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई गई। इसके बाद नेपाल राज परिवार की तरफ से नेपाल राष्ट्र की कामना और कल्याण को लेकर श्रीनाथ जी को खिचड़ी अर्पित की गई। इसके बाद मंदिर का कपाट भक्तों के लिए खोल दिया गया। कपाट खुलते ही गुरु गोरखनाथ के जयकारे के साथ दिल्ली, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गुजरात आदि राज्यों के अलावा भारी संख्या में नेपाल से आए श्रद्धालुओं ने खिचड़ी चढ़ाया। बिहार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से भी भारी संख्या में महिलाओं, पुरुषों ने खिचड़ी चढ़ाना शुरू किया यह क्रम देर रात तक चलता रहेगा।

मंदिर में गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी चढ़ा कर पुण्य कमाया तो बहुत से लोगों ने भक्तों की सेवा में अपने को लगाया। वह इसे ही पुनीत कार्य मान रहे थे। इस नाते सड़क के किराने पंडाल लगाकर खिचड़ी बनवाई और श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में खिलाया। मंदिर के अंदर काफी संख्या में लोगों ने खिचड़ी प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। वहीं कुछ लोगों ने मंदिर आने वाले भक्तों के लिए सड़क किनारे पंडाल लगाकर खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया। कई लोग भक्तों को प्रसाद के लिए बुलाते नजर आए। सोमवार को मंदिर में गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन कर उन्हें खिचड़ी चढ़ाने के लिए जो भीड़ दिखी उसमें सिर्फ भक्ति का भाव दिखाई दिया। कई किलो मीटर पैदल चल कर लोग बाबा के दरबार में पहुंच रहे थे। उनके अंदर न तो थकान थी न ही ठंड का असर। लाइन में लग कर भी गुरु गोरखनाथ का जयकारा लोग लगाते रहे लोगों में सिर्फ भक्ति का भाव दिख रहा था। खिचड़ी मेले में लाखों लोगों के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पर्व पर आस्था को सम्मान देने के लिए पूरे प्रदेश के अंदर सुरक्षा सुविधा व सहूलियत के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सोमवार को भोर में चार बजे मकर संक्रांति पर्व पर गोरखनाथ मंदिर में महायोगी गोरखनाथ को विधिविधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत में सीएम योगी ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि कहीं भी श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इसे लेकर पूरे प्रदेश में हर जगह पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

गोरखनाथ मंदिर में भी खिचड़ी चढ़ाने आए लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि गोरखनाथ मंदिर में कल से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवावतार महायोगी गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ा रहे हैं और आज मकर संक्रांति के मुख्य पर्व पर यह संख्या लाखों में दिख रही है। गुरु गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने के लिए सड़कों पर लंबी–लंबी कतारें लगी हुई हैं और लोग अनुशासित होकर दर्शन–पूजन और खिचड़ी चढ़ाने का अनुष्ठान में सम्मिलित हो रहे हैं। इन श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन के साथ ही मंदिर प्रबंधन की तरफ से भी व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जगतपिता सूर्य से प्रदेशवासियों के शुभ व मंगलमय जीवन की कामना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बारह राशियों में भ्रमणशील सूर्यदेव मकर संक्रांति पर धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने के साथ दक्षिणायण से उत्तरायण होते हैं। मकर संक्रांति हर प्रकार के शुभऔर मांगलिक कार्यक्रमों के लिए प्रशस्ति तिथि मानी गई है। आज से शुभ व मांगलिक कार्य भी प्रारम्भ हो जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि मकर संक्रांति के पावन पर्व पर पर संगम तट, नदियों व सरोवरों में स्नान करके अपनी आस्था को पुष्ट करने के साथ भारत की सनातन परंपरा के प्रति दृढ़ विश्वास को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से जारी मकर संक्रांति की महत्वपूर्ण परंपरा में लाखों की संख्या में श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त से ही पूरी श्रद्धा के साथ जुड़े हुए हैं।

बांके बिहारी धाम से आए विशेष आभूषण, श्रीराम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी को सौंपे गए

संवाददाता–अयोध्या। रामलला 22 जनवरी को अपने मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर शोर से जारी हैं। इस दौरान रामभक्त अपने प्रिय रामलला के लिए विशेष उपहार लेकर आ रहे हैं। सोमवार को श्री कृष्ण बांके बिहारी धाम से लाए गए विशेष आभूषण श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी को सौंपे गए। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व भगवान राम लला के लिए श्री कृष्ण बांके बिहारी धाम से लाए गए विशेष आभूषण श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी को सौंपे गए। श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों पर कहा कि प्रतिष्ठा की दृष्टि से जो भी आवश्यक तैयारी है वो पूरी चल रही हैं। एक ओर भव्य मंदिर लगभग खड़ा हो चुका है, दूसरी ओर अयोध्या सज रही है... 17 जनवरी के दिन भगवान राम लला अपने मंदिर में प्रवेश करेंगे।

श्रद्धालुओं ने चढ़ाई आस्था की खिचड़ी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर सदगुरु कबीर की समाधि एवं मजार पर क्षेत्र व दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की खिचड़ी चढ़ाई। इस मौके पर नगर तथा आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के अलावा कबीर पंथी साधु संतों ने खिचड़ी चढ़ाई। इसी के साथ यहां लगने वाला खिचड़ी का मेला भी शुरू है। लोगों ने खिचड़ी चढ़ाने के बाद मेले का आनन्द लिया। सनातन धर्म के अनुसार जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। तभी मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। इसके बाद से सभी तरह के धार्मिक तथा वैवाहिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हो जाता है। पूर्व मान्यता के अनुसार 14 जनवरी को मकर संक्रांति (खिचड़ी) का पर्व मनाया जाता है। महंत विचार दास ने कहा कि खिचड़ी सात्विक भोजन होता है। खिचड़ी चढ़ाना एक सनातन परंपरा है। कहा कि जगन्नाथपुरी में कबीर साहेब, रविदास, रामानन्द तीनों संत मकर संक्रांति के अवसर पर सन्त समागम में शामिल हुए। जहां खिचड़ी खाने के लिए पंगत लगी थी। कबीरदास को जुलाहा कहकर विरोध किया गया और पंगत से उठा दिया गया। इस पर वे दोनों सन्त भी कबीर साहेब के साथ उठ कर दूसरी तरफ बैठ गए। जिनके जाने के बाद लोगों को सन्तजनों के साथ पंगत में बैठे होने का असास हुआ। लोगों को अपने कर्मों पर पश्चाताप हुआ और कबीर साहेब को वापस बुलाकर पंगत में बैठाकर भोजन कराया। यहीं से इन जगहों पर खिचड़ी चढ़ाने की परंपरा पड़ गई। इसका उल्लेख कबीर सत्य प्रकाशन कबीर महाग्रन्थ में पाया जाता है। उन्होंने लोगों से कबीर की वाणी को आत्मसात करके सुखमय जीवन व्यतीत करने का आहवान किया। साथ ही लोगों में प्रेम, करुणा, दया का भाव मानव में जगे ऐसी अपेक्षा है।

आज से शुरू हो होगा प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान–चंपत राय

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के राममंदिर का उद्‌घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इससे पहले 16 जनवरी मंगलवार से ही प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू हो जाएगा। 18 जनवरी को रामलला की प्रतिमा गर्भगृह में अपने आसन पर पहुंच जाएगी। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को राममंदिर समारोह के पूरे कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने रामलला की प्रतिमा के बारे में बताया कि मूर्ति का वजन 150 से 200 किलो है। रामलला की खड़ी प्रतिमा स्थापित होगी। यह पांच साल के बालक की तरह दिखाई देती है। मैसूर के रहने वाले अरुण योगिराज की श्यामल मूर्ति का चयन किया गया है।

बताया कि प्राण प्रतिष्ठा की पूजन विधि कल 16 जनवरी से शुरू हो जाएगी, जो 21 तक चलेगी। प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामलला की प्रतिमा को जल वास, अन्न वास, शैया वास, औषधि वास, फल वास पूजा होगी। 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा दोपहर 12 बजकर 20 बजे होगी। ये मुहूर्त प्रकांड विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने तय किया है। कर्मकांड वाराणसी के महंत लक्ष्मी कांत दीक्षित करेंगे। शाम में सूर्यास्त 5 बजकर 45 मिनट पर होगा। उसके बाद अयोध्या में प्रभु की प्रसन्नता के लिए अयोध्या में दीप जलाए जाएंगे। पीएम का कहना है ऐसा ही पूरे देश के लोग करें। कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास अपने विचार रखेंगे। इस दौरान गर्भगृह में पीएम मोदी, यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल,आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास, सभी ट्रस्टी लगभग 150 परम्पराओं के संत, धर्माचार्य मौजूद रहेंगे। कहा, भारत में हर तरह की रक्षा पुलिस से लेकर पैरा मिलिट्री फोर्स के अधिकारी, साहित्यकार, पद्म पुरस्कार विजेता शामिल होंगे। मंदिर निर्माण करने वाली स–ज, टाटा के इंजीनियर्स और मंदिर बनाने में लगे 100 लोग रहेंगे। इसके अलावा शैव, वैष्णव, सिख, बौद्ध, जैन, कबीर पंथी, इसकौन, राम कृष्ण मिशन, गायत्री परिवार, राधा स्वामी, गुजरात के स्वामी नारायण, लिंगायत के धर्मात्मा रहेंगे। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों को पूरा करने के लिए 20 और 21 जनवरी को राम लला के दर्शन बंद रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के दिन परिसर में 8000 कुर्सियां लगाई जाएंगी। भारत की सभी मुख्य नदियों का जल अयोध्या आ चुका है। सभी जलों से रामलला का अभिषेक होगा। इसके अलावा नेपाल में राम जी की ससुराल, उनके ननिहाल छत्तीसगढ़ से उपहार आए हैं। जोधपुर से बैलगाड़ी पर घी आया है। राममंदिर की नई तस्वीरें भी जारी की। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को दोपहर 12.20 पर प्राण प्रतिष्ठा होगी। माना जा रहा है कि एक बजे तक प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान चलेगा। राम मंदिर को अब संजाया–संवारा जा रहा है। इनमें राम मंदिर की भव्यता और सुंदरता दिखाई दे रही है।

मोटर साइकिल ने मारी टक्कर, बाइक सवार अधिवक्ता की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। बाइक से घर जा रहे एक अधिवक्ता को सामने से आ रही मोटर साइकिल सवार ने जोरदार ठोकर मार दी। ठोकर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार अधिवक्ता की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। साथ में जा रहा बेटा बच गया। घटना जिले के बेलहरकला थाना क्षेत्र के गोइठहा बाजार के निकट रविवार रात हुई। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के संबंध में अधिवक्ता के बड़े भाई एजाज अहमद पुत्र रजा हुसेन निवासी पसाई थाना बखिरा में अभियोग पंजीकृत कराया है। पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि मेरे छोटे भाई नियाज अहमद (35) जिला एवं सत्र न्यायालय में अधिवक्ता थे। रविवार की रात गोइठहा बाजार से अपनी बाइक से बेटे के साथ घर आ रहे थे। लापरवाहीपूर्ण तरीके से बिना हार्न बजाए तेज गति से सामने से आ रहे मोटर साइकिल सवार ने ठोकर मार दिया। जिससे मौके पर ही मेरे भाई नियाज अहमद एडवोकेट की मौत हो गई। तहरीर के आधार पर बेलहरकला पुलिस ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने व गैर इरातदन हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अयोध्या और वृंदावन के लिए जल्द बस सेवा

संवाददाता–गोरखपुर। जल्द ही गोरखनगरी से श्रीराम और कृष्ण की नगरी जाना श्रद्धालुओं के लिए आसान हो जाएगा। सीएम के निर्देश पर परिवहन निगम श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए गोरखपुर–अयोध्या–मथुरा–वृंदावन बस सेवा शुरू करने जा रहा है। अयोध्या मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद दो बसों को चलाने की तैयारी की है। गोरखपुर से मथुरा–वृंदावन जाने वाले यात्रियों की संख्या ज्यादा है। वहीं अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के चलते श्रद्धालुओं की संख्या इधर बढ़ गई है। वृंदावन के लिए गोरखपुर के लिए सीधी साधारण बस सेवा नहीं थी। वर्तमान में गोरखपुर से वृंदावन के लिए सिर्फ एक अनुबंधित एसी बस संचालित हो रही है। अब परिवहन निगम ने बाबा गोरक्षनाथ की नगरी से श्रीराम और श्रीकृष्ण की नगरी को सीधा जोड़ दिया है। तीनों स्थान उत्तर प्रदेश में ही हैं, इसलिए बस चलाने में भी कोई दिक्कत नहीं आएगी। रोडवेज प्रशासन ने समयसारिणी तय नहीं की है। हालांकि प्रस्तावित किराया गोरखपुर से अयोध्या के लिए 226 रुपये और वृंदावन के लिए 1065 रुपये तय किया गया है। लव कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक परिवहन निगम ने कहा कि यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए परिवहन निगम गोरखपुर से मथुरा–वृंदावन के लिए अयोध्या के रास्ते साधारण बस सेवा शुरू करने जा रहा है। जल्द ही इसका किराया और समयसारणी तय कर ली जाएगी।

अयोध्या में मकान बनवाएंगे बिग बी अमिताभ बच्चन, 10 हजार वर्ग फीट जमीन खरीदी

संवाददाता–अयोध्या। फिल्मी दुनिया के बिग बी कहे जाने वाले प्रख्यात अभिनेता अमिताभ बच्चन रामनगरी में जल्द ही घर बनवा सकते हैं। इसके लिए उन्होंने अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप के जरिए जमीन खरीदी है। अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप अयोध्या में सेवन स्टार टाउनशिप विकसित कर रहा है। बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन ने इस टाउनशिप में 10000 स्क्वायर फीट जमीन खरीदी है जिसकी कीमत 14.5 करोड़ बताई जा रही है। अमिताभ बच्चन इससे पहले लखनऊ के पास काकोरी में भी जमीन खरीद चुके हैं। अमिताभ ने अयोध्या में जिस जगह पर जमीन खरीदी है वह राम मंदिर से 15 मिनट की दूरी पर बताई जा रही है साथ ही अयोध्या एयरपोर्ट से इसकी दूरी 30 मिनट है। हालांकि, इसे लेकर अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप की ओर से कोई अधिकृत बयान नहीं दिया गया है। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर तेजी से आकार ले रहा है। आगामी 22 जनवरी को रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। नगर के विकास के लिए सरकार ने हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं शुरू करवाई हैं जिससे भव्य और नव्य अयोध्या का सपना साकार हो सके। माना जा रहा है कि मंदिर उद्घाटन के बाद अयोध्या विश्व के सबसे बड़े पर्यटन स्थलों में से एक बनकर उभरेगी और बड़े पैमाने पर आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनेगी। ऐसे में नगर में होटल और टाउनशिप से जुड़ी कंपनियां बड़ा निवेश कर रही हैं।

अक्षत कलश यात्रा में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद में श्रीराम जन्मभूमि पूजित अक्षत कलश शोभायात्रा निकाली गई। राम भक्तों की टोली ने समयमाता के स्थान से लेकर पूरे शहर में भ्रमण किया। शुगर मिल चौराहे से बैंक चौराहा, गोला बाजार, बरदहिया बाजार होते हुए डीघा बाईपास के कबीर दास जी के चौराहे तक दुकान–दुकान पर अक्षत वितरण किया। जय श्रीराम के जयकारे से पूरा शहर गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर जिला अभियान समिति, संघ की पूरी जिला कार्यकारिणी, नगर कार्यकारिणी, नगर की अभियान टोली, वार्डों की अभियान टोली के साथ सैकड़ों की संख्या में मातृ शक्तियों की उपस्थिति रही।

अक्षत वितरण करते समय सभी व्यवसायी बंधुओं से श्री राम मंदिर का चित्र एवं पत्रक देकर 22 जनवरी के बाद श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम का दर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया। 22 जनवरी को त्यौहार जैसा उत्सव मनाने का आग्रह भी किया गया।

प्राण प्रतिष्ठाः अब खत्म हुआ संशय, श्रीरामलला की वर्तमान मूर्ति भी मंदिर के मूल गर्भ गृह स्थापित होगी

संवाददाता–अयोध्या। सोमवार को श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने उस सवाल का भी जवाब दे दिया, जिसका सभी को बेताबी से इंतजार था। अयोध्या में वर्तमान में भगवान श्रीरामलला की मूर्ति की पूजा अर्चना की जा रही है, उन्हें भी नए मंदिर के गर्भ गृह में ही स्थापित किया जाएगा और नई प्रतिमा के साथ–साथ उनकी भी एक समान पूजा अर्चना की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बहुत से लोग जानना चाहते थे कि गर्भ गृह में श्रीरामलला की नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद वर्तमान में जिस मूर्ति की पूजा अर्चना की जा रही है, उसका क्या होगा। सोमवार को इन सभी सवालों का जवाब मिल गया।

चंपत राय ने बताया कि भगवान की वर्तमान प्रतिमाएं जिनकी उपासना, सेवा, पूजा लगातार 70 साल (1950 से) से चली आ रही है, वो भी मूल मंदिर के मूल गर्भ गृह में ही उपस्थित रहेंगी। उन्होंने बताया कि जैसे अभी उनकी पूजा और उपासना की जा रही है, वैसी ही 22 जनवरी से भी अनवरत की जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि पुरानी प्रतिमाओं के साथ–साथ श्रीरामलला की नई प्रतिमा को भी अंग वस्त्र पहनाए जाएंगे। मालूम हो कि वर्तमान में जिस मंदिर में श्रीरामलला की पूजा होती है, वहां श्रीरामलला अपने तीनों भाइयों के संग विराजमान हैं।

मरीज–एंबुलेंस और खून माफिया की संपत्तियों पर चलेगा बुलडोजर

संवाददाता–गोरखपुर। आम मरीजों को सरकारी अस्पताल से प्राइवेट अस्पताल ले जाने वाले मरीज एंबुलेंस माफिया और गरीबों का खून बेचने वाले खून माफिया पर गैंगस्टर की कार्रवाई के बाद अब पुलिस उनकी संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। पुलिस की ओर से राजस्व विभाग को पत्र भेजा गया है। गरीबों से ठगी कर अर्जित की गई इन सभी की संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट के तहत जब्त किया जाएगा। अंदर ही अंदर तैयारी यह भी है कि जिसका निर्माण अवैध तरीके से किया गया होगा, उस पर बुलडोजर भी चलाया जा सकता है। पुलिस अपने स्तर से भी गिरोह में सभी बदमाशों की संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। जल्द ही सभी पर कार्रवाई संभव है। जानकारी के मुताबिक, गुलरिहा इलाके में एक मरीज की मौत के बाद सबसे पहला केस दर्ज किया गया था। इस मामले में सत्यम हॉस्पिटल पर केस दर्ज कर जांच की गई तो पता चला कि अस्पताल ही अवैध है और यहां पर झोलाछाप ने इलाज कर दिया था, जिस वजह से मरीज की मौत हो गई थी। इसके बाद एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने मरीजों से ठगी करने वालों पर अभियान चलाने का निर्देश दिया। एएसपी मानुष पारिक ने खुद इस प्रकरण की जांच की तो पता चला कि मेडिकल कॉलेज में एंबुलेंस माफिया का भी गिरोह चल रहा है। इसके बाद इस गिरोह का पर्दाफाश कर आरोपियों को जेल भिजवाया गया। इन सभी के बीच ही पुलिस ने एक और खून माफिया गिरोह का पर्दाफाश किया था। यह गिरोह मजदूरों को रुपये का लालच देकर मेडिकल कॉलेज लाता था और फिर उनके खून को बेच दिया करते थे। पुलिस ने सभी को जेल भिजवाने के बाद गैंगस्टर की कार्रवाई की है। अब इनकी संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। भटहट–बांसस्थान रोड पर स्थित सत्यम हॉस्पिटल में गर्भवती महिला की मौत के मामले में गुलरिहा पुलिस ने हॉस्पिटल संचालक सुभाष, उसके बेटे रंजित, डॉ. सुनील सरोज और सत्येंद्र के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज किया था। पुलिस ने एंबुलेंस से मरीजों को नर्सिंग होम में खरीद फरोख्त करने वाले चिलुआताल के फत्तेपुर डीहवा निवासी रिजवान, रियासुद्दीन, मोहम्मद अक्सीम, आसिफ अली उर्फ गोलू, चिलुआताल के मिर्जापुर निवासी औरंगजेब पर गैंगस्टर लगाया गया है। मजदूरों का खून बेचने के मामले में छह खून माफिया पर गैंगस्टर लगा है। सरगना महराजगंज जिले के फरेंदा स्थित कम्हरिया खुर्द निवासी केशव देव है। सदस्य जाफरा बाजार के वसील खान, पचपेड़वा के मोहम्मद रफीउद्दीन, देवरिया के बसता टोला निवासी रजनीश यादव, सिबातुल्लाह उर्फ अब्दुल और गुलरिहा के मोगलहा निवासी रामअशीष हैं।

एसडीएम ने मेले की व्यवस्था का किया निरीक्षण

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के नगर पंचायत मगहर में होने वाले खिचड़ी मेले की व्यवस्था का उप जिलाधिकारी शैलेश दुबे, तहसीलदार जनार्दन, नायब तहसीलदार खलीलाबाद विजय कुमार गुप्ता तथा चौकी इंचार्ज मगहर के साथ निरीक्षण किया। मेले के निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी खलीलाबाद शैलेश दुबे ने समस्त झूला संचालकों से वार्ता की। उन्होंने सभी को सुरक्षित रूप से झूला संचालन के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए निर्देश दिया। आश्रम के पश्चिम दिशा की ओर दो झूला हाई टेंशन तार के नजदीक पाए जाने पर उपजिलाधिकारी खलीलाबाद द्वारा तत्काल उपखंड अधिकारी विद्युत मगहर तथा झूला संचालक को तत्काल आवश्यक सावधानियां बरतने का निर्देश दिया। चौकी इंचार्ज मगहर को उक्त पर विशेष निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया। उपजिलाधिकारी मेले में रोड की पटरियों पर दुकान लगाने वाले समस्त दुकानदारों को सड़क पर अतिक्रमण न करने तथा आवागमन के लिए मार्ग सुचारु रूप से संचालित रखने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि खिचड़ी मेले में चार–चार लेखपालों की हर छह–छह घंटे की अवधि में तैनाती की गई है जिससे मेले में आए किसी भी श्रद्धालुओं को कोई भी असुविधा न हो।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0
धारा 144 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी हर्रैया जिला–बस्ती

विश्वनाथ
बनाम
कमलावती

ग्राम बट्टूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

1. कमलावती कथित पत्नी परमात्मा प्रसाद पुत्री रामनेरश तिवारी ग्राम बगही तिवारी तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 16–01–20224

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0 951/2023
धारा 11 (1) सी0एच0एक्ट0
अदालत–श्रीमान एस0ओ0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विजय शंकर
बनाम
रामतीरथ

रामतीरथ पुत्र गयाराम ग्राम जगदीशपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 15 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com